दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 11

ग्वालियर, गुरुवार 06 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

भगवान श्री राम के जय घोष के साथ शहर के विभिन्न मार्गो से निकली चल समारोह की यात्रा

ग्वालियर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह तोमर में जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दिनांक 5 अक्टूबर 2022 को दोपहर 3:00 बजे किला गेट दुर्ग से भगवान श्री राम के पूजन एवं महाराणा प्रताप पृथ्वीराज चौहान मिहिर भोज महाराजा मानसिंह तोमर के पूजन के साथ शोभा यात्रा निकली सर्वप्रथम भगवान श्री राम का पूजन गायत्री परिवार द्वारा संपन्न किया गया उसके बाद श्री आनंद सिंह तोमर ने हरी झंडी दिखाकर चल समारोह को रवाना किया चल समारोह किला गेट हजीरा पड़ाव स्टेशन बजरिया थाटीपुर मुरार 7 नंबर चौराहा होते हुए इंद्रप्रस्थ गार्डन गोला का मंदिर पर संपन्न हुआ उसके बाद चल समारोह दशहरा मिलन समारोह के रूप में परिवर्तित हुआ दशहरा मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री केडी सोनकिया जी विशेष अतिथि के रुप में माननीय प्रदुमन सिंह जी तोमर ऊर्जा मंत्री श्री सतीश सिंह सिकरवार विधायक श्री हरि सिंह यादव पूर्व डीआईजी श्री अरुण सिंह जी तोमर श्री सावन सिंह जी तोमर श्री रणविजय सिंह जी मीर भोज के वंशज श्री अरुणय सिंह जी, श्री मानवेंद्र सिंह जी मुख्य रूप से उपस्थित थे

कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान श्री राम की प्रतिमा का पूजन किया गया तथा शारदा विद्यापीठ की बालिकाओं द्वारा श्री रामचंद्र कृपालु भजमन भजन पर नृत्य प्रस्तुति की गई मानवेन्द्र सिंहभगवान श्री राम के जय घोष के साथ शहर के विभिन्न मार्गो से निकली चल समारोह की यात्रा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह तोमर में जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दिनांक 5 अक्टूबर 2022 को दोपहर 3:00 बजे किला गेट दुर्ग से भगवान श्री राम के पूजन एवं महाराणा प्रताप पृथ्वीराज चौहान मिहिर भोज महाराजा मानसिंह तोमर के पूजन के साथ शोभा यात्रा निकली सर्वप्रथम भगवान श्री राम का पूजन गायत्री परिवार द्वारा संपन्न किया गया उसके बाद श्री आनंद सिंह तोमर ने हरी झंडी दिखाकर चल समारोह को रवाना किया चल समारोह किला गेट हजीरा पड़ाव स्टेशन बजरिया थाटीपुर मुरार 7 नंबर चौराहा होते हुए इंद्रप्रस्थ गार्डन गोला का मंदिर पर संपन्न हुआ उसके बाद चल समारोह दशहरा मिलन समारोह के रूप में परिवर्तित हुआ दशहरा मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री केडी सोनकिया जी विशेष अतिथि के रुप में माननीय प्रदुमन सिंह जी तोमर ऊर्जा मंत्री श्री सतीश सिंह सिकरवार विधायक श्री हरि सिंह यादव पूर्व डीआईजी श्री अरुण सिंह जी तोमर श्री सावतसिंह जी तोमर श्री रणविजय सिंह जी मीर भोज के वंशज श्री अरुणय सिंह जी, श्री मानवेंद्र सिंह,सतीश सिंह सिकरवार, जी मुख्य रूप से उपस्थित थे

कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान श्री राम की प्रतिमा का पूजन किया गया तथा शारदा विद्यापीठ की बालिकाओं द्वारा श्री रामचंद्र कृपालु भजमन भजन पर नृत्य प्रस्तुति की गई

खास खबर

यूक्रेन के 4 क्षेत्रों के रूस में विलय को मंजूरी, पुतिन ने कानून पर हस्ताक्षर किए

मॉस्को। यूक्रेन के 4 क्षेत्रों के रूस में विलय को मंजूरी देने वाले कानून पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हस्ताक्षर कर दिए हैं। ये इलाके पूर्वी यूक्रेन के हैं, जिसपर रूसी सेना ने हमला करके कब्जा किया था। पुतिन के इस कदम से अमेरिका सहित पश्चिमी देश भड़क सकते हैं। रूस का यह फैसला अंतरराष्ट्रीय नियमों के भी विपरीत है। इस सप्ताह रूसी संसद के दोनों सदनों ने यूक्रेन के दोनेत्सक, लुहान्सक, खेरसन और जापोरिझिया के विलय वाले कानून को पारित कर दिया था। इसके बाद पुतिन को इस पर साइन करना था। अब पुतिन ने कानून को मंजूरी दे दी है, इसके साथ ही इन इलाकों पर भी रूस का कब्जा हो गया है। इससे पहले इन इलाकों में रूस की ओर से रेफरेंडम कराने का भी दावा किया गया था। रूस का कहना था कि रेफरेंडम में 90 फीसदी लोगों ने रूस में इलाकों के विलय करने की बात कही है। हालांकि अमेरिका सहित पश्चिमी देशों और यूक्रेन ने जनमत संग्रह को फर्जी बताकर विरोध कर कहा था कि रूस ने बनावटी रेफरेंडम कराया है।

राज्यों में नेत्र बैंक ही नहीं

नई दिल्ली। देश के 11 राज्यों में नेत्र बैंक नहीं है। यह जानकारी सूचना अधिकार कानून के तहत प्राप्त हुई है।सरकार ने जवाब दिया है कि देश में इस समय 320 नेत्र बैंक हैं। अंडमान निकोबार द्वीप, अरुणाचल,दादरा और नगर हवेली, दमन द्वीप, गोवा, जम्मू-कश्मीर, लक्ष्यदीप, मणिपुर,मेघालय, नागालैंड और सिक्किम में एक भी नेत्र बैंक नहीं है। 11 राज्यों में नेत्र बैंक नहीं होना अपने आप में आश्चर्य का विषय है। केंद्र सरकार ने भी इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किए।

सुप्रीम कोर्ट ने कोस्टल रोड प्रोजेक्ट को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही दिए गए 2019 के आदेश को संशोधित किया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की संयुक्त पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के ग्रेटर मुंबई नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे हैं कोस्टल रोड प्रोजेक्ट को अनुमति दे दी है। पर्यावरण की सुरक्षा में सतत विकास की प्रक्रिया भी जरूरी है। इस आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2019 के आदेश को संशोधित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निकाय को उद्यान, खुला हरित स्थान, पार्क, साइकिल पथ, जागिंग पथ,समुद्र के किनारे सैर और मनोरंजन स्थलों के निर्माण की अनुमति दे दी है।सुप्रीम कोर्ट ने नगरीय निकाय को चेतावनी दी है, कि निर्धारित शर्तों का पूर्ण ईमानदारी के साथ नगरीय निकाय को पालन करना होगा। इसमें मछुआरा समुदाय के पुनर्वास को भी शामिल किया गया है।

बारातियों से भरी बस खाई में गिरी, 25 की मौत व 21 लोगों को रेस्क्यू किया

देहरादून। उत्तराखंड में बुधवार की सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया है। यह हादसा पौड़ी गढ़वाल जिले के सिमड़ी गांव के पास रिखनीखाल-बिरोखल मार्ग पर हुआ है, जहां बारातियों से भरी बस गहरी खाई में गिर गई। बस में 45 से 50 लोग सफर कर रहे थे। इस हादसे में अब तक 25 की मौत व 21 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। राज्य के डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि बस में करीब 50 लोग सवार थे। वहीं घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में किया जा रहा है। वहीं हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर राहत बचाव कार्य शुरु कर दिया है।

हमारे कैंडिडेट्स को समझने का डिबेट ही एक बेहतरीन तरीका है - संदीप दीक्षित

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर शशि थरूर ने हाल ही में मल्लिकार्जुन खड़गे को अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव की तरह डिबेट करने की सलाह दी है। कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने भी कहा कि मेरे हिसाब से हमारे कैंडिडेट्स को समझने का डिबेट ही एक बेहतरीन तरीका है। संदीप दीक्षित ने कहा कि बात इसकी नहीं कि इनका क्या इतिहास है, बात ये है कि ये क्या करना चाहते हैं, ये डिबेट से ही निकलेगा। इनके अगल-बगल में कौन खड़ा है, ये देखकर अगर ये वोट करेंगे, तो वो एक सामंती भावना होती है। ये आगे क्या करना चाहते हैं, क्यों करना चाहता हैं, इस पर वोट करना चाहिए। ये लोकतांत्रिक भावना होगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता का क्या रोल होगा? क्या विचारधारा में बदलाव करेंगे? जो लोग कांग्रेस के साथ थे, कैसे उन लोगों को पकड़ेंगे? ये सब देखना होगा। नए लोगों को लाना होगा। जोड़-तोड़, नया चेहरा, जो भी हो, किस तरह से हमें करना होगा ये देखना है। कांग्रेस के पूर्व सांसद ने कहा कि दो नए लोग आए हैं, इनका भूतकाल देख लिया, अब आगे देखना है, जूम कॉल कर लो या फिर बहुत तरीके हैं। मुझे कॉन्फिडेंस में क्यों नहीं लिया जाए। वो क्या थे, इसे क्यों देखूं मैं। कांग्रेस का अध्यक्ष आगे चलकर बड़ी भूमिका निभाएगा। दोनों में फर्क है। दोनों अलग बैकग्राउंड के हैं। संदीप दीक्षित ने कहा कि एलीटिज्म से क्या दिक्कत है। मेरे पास क्या खूबी है किसी का बेटा होने के अलावा, जो नेता अपने विचार व्यक्त न कर सके वो नेता नहीं है।

मार्जिन पर बंटेगी कांग्रेस और भाजपा की टिकटें

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अभी 1 साल से ज्यादा का समय है। लेकिन अभी से भाजपा और कांग्रेस की राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने विधानसभा चुनाव को अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ लिया है।वहीं भाजपा भी तमाम अंतर्विरोध के बाद हर हालत में विधानसभा का चुनाव बहुमत से जीतने की रणनीति बना रही है। इसके लिए विधानसभा वार सर्वे और विधायकों के बारे में जानकारी एकत्रित की जा रही है।

भाजपा में 10000 का मार्जिन

पिछले विधानसभा चुनाव में 10000 से कम मतों के जिन भाजपा के उम्मीदवारों की हार हुई थी। उन्हें 2023 के विधानसभा चुनाव का टिकट दिए जाने सहमति संगठन में बन गई है। संगठन ने ऐसे सभी संभावित उम्मीदवारों को अपने अपने क्षेत्र में जाकर काम करने के लिए कहा गया है। भाजपा अपने नेताओं की नाराजगी को रोकने के लिए, 10000 के मार्जिन से हारने वाले उम्मीदवारों को टिकट देने की बात जरूर कर रही है। लेकिन तय समय पर जीतने वाले उम्मीदवार को ही भाजपा की टिकट दी जाएगी। भाजपा में 75 वर्ष की उम्र और परिवारवाद को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। सूत्रों द्वारा यह कहा जा रहा है,कि इस बार का चुनाव काफी चुनौतीपूर्ण है। ऐसी स्थिति में दोनों ही नियमों में शिथिलता बरती जा सकती है। अर्थात 75 वर्ष की उम्र के आसपास के भाजपा नेताओं को अथवा उनके परिवार जनों को भी टिकट दी जा सकती है। भाजपा ने बूथ लेवल तक का मैनेजमेंट पुख्ता करना शुरू कर दिया है। भाजपा कई स्तर पर जीतने वाले उम्मीदवार के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

5000 वोटों से पराजित प्रत्याशियों को कांग्रेस की टिकट

कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनाव में जो उम्मीदवार 5000 वोटों से हारा है। उसे 2023 के विधानसभा चुनाव की टिकट देने का मन बना लिया है। इसके अलावा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए विधायकों के स्थान पर नए उम्मीदवारों की तलाश कांग्रेस जोर शोर से कर रही है।कांग्रेस इस बार नए चेहरों पर दांव लगाने की प्रक्रिया में है। एक बार से अधिक चुनाव में पराजित होने वाले उम्मीदवारों को इस बार कांग्रेस टिकट नहीं देगी।वर्तमान विधायकों में 25 विधायकों की स्थिति उनके विधानसभा क्षेत्र में पूर्व की तुलना में कमजोर हुई है। संगठन स्तर पर उन्हें अपनी छवि को सुधारने और विधानसभा क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा समय देने का निर्देश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने दिया है।

राजस्थान संकट में आने वाले दो-तीन दिन अहम, सोनिया गांधी ले सकती हैं कोई फैसला

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस का संकट खत्म नहीं हो रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव को लेकर सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट गुट के बीच शुरू हुआ घमासान थमाता हुआ दिख रहा है, लेकिन यह तूफान से पहले की शांति भी हो सकती है। पायलट जयपुर में गहलोत के समर्थक मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, राजेंद्र गुढ़ा सहित कई विधायकों से मुलाकात के बाद दिल्ली लौट चुके हैं। बताया जा रहा है कि वह दुर्गा पूजा के बाद एक बार फिर जयपुर लौटने वाले हैं। राजनैतिक पंडितों की माने तब अगले 2-3 दिन राजस्थान कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। पिछले दिनों हाईकमान की मर्जी के मुताबिक विधायक दल की बैठक नहीं होने देने को लेकर तीन नेताओं से मांगे गए जवाब की समयसीमा खत्म होने वाली है। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचेतक महेश जोशी और आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ से अनुशासन समिति ने 10 दिन के भीतर जवाब मांगा था। जिसकी मियाद 6 अक्टूबर को पूरी हो रही है। गुरुवार को ही कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी भी कर्नाटक से दिल्ली लौट रही हैं। बताया जा रहा है कि भारत जोड़ो यात्रा पर निकले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ सोनिया गांधी ने कर्नाटक में राजस्थान को लेकर मंथन की है। धारीवाल, जोशी और राठौड़ के जवाब के बाद हाईकमान के रुख पर नजरें टिकी होंगी। यदि पार्टी नेतृत्व इनके जवाब से संतुष्ट नहीं होता हैं तब सख्त एक्शन भी लिया जा सकता है। 29 सितंबर को सोनिया गांधी ने दिल्ली में पहले गहलोत और फिर पायलट से मुलाकात की थी। गहलोत तब मीडिया के सामने कहा था कि जो हुआ वह गलत था और इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेकर उन्होंने माफी मांगी है।

वर्ल्ड बैंक ने की मोदी सरकार की तारीफ, कहा- गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता ढंग अनूठा

वाशिंगटन। वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपास ने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के संकट के दौरान भारत का गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता करने का ढंग बेहद अनूठा है। अन्य देशों को भी भारत की ही तरह व्यापक सब्सिडी देने के बजाय लक्षित सीधे कैश ट्रांसफर करना चाहिए। वर्ल्ड बैंक की ओर से मालपास ने बुधवार को एक शोध पावर्टी एंड शेयर्ड प्रास्पेरिटी की रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि गरीबी घटने की वैश्विक प्रगति के दौर के आखिर में कोविड-19 जैसी महामारी आई।

गरीबों को चुकानी पड़ी बड़ी कीमत: रिपोर्ट में कहा की पिछले तीन दशकों के दौरान एक अरब से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी से उभरे है। सबसे गरीब देशों की आय को भी मजबूत आधार मिला है, लेकिन वैश्विक महामारी कोविड-19 आने से सबसे गरीब लोगों को सबसे भारी कीमत चुकानी पड़ी है। गरीब देशों में गरीबी बढ़ने से जाहिर होता है कि उनकी अर्थव्यवस्था अधिक अनौपचारिक, सामाजिक सुरक्षा प्रणाली भी बहुत कमजोर होने के साथ-साथ वित्तीय प्रणाली भी कम विकसित है।

भारत सरकार का अभूतपूर्व कार्य : इसके बावजूद कई विकासशील देशों ने वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। मालपास ने कहा कि भारत ने डिजिटल कैश ट्रांसफर के जरिये 85 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को भोजन और नकद देकर उल्लेखनीय मदद दी है। भारत ने यह सुविधा 69 प्रतिशत आर्थिक रूप से बहुत कमजोर शहरी लोगों को देकर अभूतपूर्व कार्य किया है।

3 फुट का पति 5 फिट की पत्नी

लंदन। ब्रिटेन में रहने वाले जेम्स की लंबाई 3 फुट 7 इंच है। उनकी पत्नी क्लोई की लंबाई 5 फुट 4 इंच है। सारी दुनिया के जो पति पत्नी के जोड़े हैं। उसमें सबसे ज्यादा असमानता इसी जोड़े में पाई गई है। पति जेम्स की उम्र 34 साल और क्लोई की उम्र 27 साल है।दोनों की शादी 2016 में हुई थी। अब इनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

बारामूला में शाह ने कहा पहले यह आंतकी हॉटस्पॉट था, आज टूरिस्ट हॉटस्पॉट

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के दौरे पर गए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को बारामूला में जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर शाह ने कहा कि पहले यह आंतकी हॉटस्पॉट था, आज टूरिस्ट हॉटस्पॉट है। पहले यहां साल के 6 लाख सैलानी आते थे, आज यहां अक्टूबर तक 22 लाख सैलानी आए हैं। इससे कई युवाओं को रोजगार मिला है। पिछले 70 सालों से मुफ्ती एंड कंपनी, अब्दुल्ला के बेटे यहां सत्ता में थे। लेकिन 1 लाख बेघर लोगों को आवास उपलब्ध नहीं कराया। मोदी जी ने 2014-2022 के बीच इन 1 लाख लोगों को घर दिया। शाह ने कहा कि गुपकर मॉडल में युवाओं के लिए पत्थर, बंद कॉलेज, बंदूक है और मोदी मॉडल में युवाओं के लिए आईआईएम, आईआईटी, एम्स, नीट हैं। युवाओं के लिए पढ़ाई-लिखाई है। उन्हें पत्थर नहीं चाहिए, युवाओं के हाथ में से पत्थर लेकर पढ़ाई-लिखाई कराने का कम मोदी जी ने किया है। शाह ने कहा कि बॉर्डर पर सुरक्षा एजेंसियों को छूट दी गई है कि सीमा पर घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों को करारा जवाब दें। उनके अनुसर, जम्मू-कश्मीर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, और राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार गंभीर इस लेकर योजना बन रही है। चाहे धार्मिक पर्यटन की बात हो, या फिर साहसिक पर्यटन की, चरणबद्ध तरीके से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ठोस रणनीति बनाकर कार्य किया जाएगा। शाह के अनुसार, पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने से बेरोजगारी पर प्रहार होने के साथ ही स्थानीय बेरोजगार युवकों को रोजगार भी मिल सकेगा। केंद्रीय मंत्री शाह के अनुसार, पिछले कई सालों में जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। भरोसा दिलाया कि पयर्टन से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए धनराशि किसी भी सूरत में रोड़ा नहीं बनेगी।

गुजरात का सर्वसमावेशी विकास का मॉडल देश के अन्य राज्यों के लिए पथप्रदर्शक: राष्ट्रपति

अहदाबाद। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को अहमदाबाद स्थित गुजरात यूनिवर्सिटी में शिक्षा एवं आदिवासी विकास विभाग के 164 करोड़ रुपए के 11 विकास प्रकल्पों का ई-लोकार्पण और ई-शिलान्यास करते हुए कहा कि गुजरात राज्य का सर्वसमावेशी विकास का मॉडल आज देश के अन्य राज्यों के लिए पथप्रदर्शक बन रहा है। राष्ट्रपति ने देश के राज्यों से एक-दूसरे के विकास मॉडल को अपनाकर विकसित राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने का अनुरोध किया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने देश की महिला उद्यमियों के लिए बनाए गए स्टार्टअप मंच 'हर स्टार्ट' को लॉन्च करते हुए कहा कि गुजरात यूनिवर्सिटी में कार्यरत लगभग 450 स्टार्टअप प्रोजेक्ट के जरिए अनेक लोगों को रोजगार मिल रहा है। विशेषकर महिला उद्यमियों द्वारा प्रेरित 125 स्टार्टअप महिलाओं में अंतर्निहित साहसिकता और नवोन्मेषी विचारों को नई दिशा दे रहे हैं। इसके चलते सरकारी और निजी उपक्रमों से उन्हें जोड़ने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से देश भर में शुरू हुए स्टार्टअप कार्यक्रम के परिणामस्वरूप वर्ष 2022 के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) में भारत 81वें स्थान से 40 स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में वनबंधु कल्याण योजना तथा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों एवं कन्या आवासीय विद्यालयों के संचालित होने से आदिवासी समुदाय के विद्यार्थियों में स्कूल ड्रॉपआउट की दर में कमी आई है। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारत को सुपर पावर बनाने की दिशा में एक पहल है। विज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार व अनुसंधान ही शिक्षित भारत से श्रेष्ठ भारत के निर्माण में सहायक बनेगा। उन्होंने प्राथमिक और उच्च शिक्षा क्षेत्र में पिछले दो दशकों के दौरान राज्य द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों और उससे प्राप्त हुए नतीजों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य में ड्रॉपआउट की दर में आई कमी और विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से राज्य के 55 हजार से अधिक स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था की रीयल टाइम मॉनिटरिंग की प्रशंसा की। उन्होंने राज्य के लगभग 20 हजार स्कूलों की ढांचागत सुविधाओं के उन्नयन के लिए क्रियान्वित 'मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' प्रोजेक्ट की भी सराहना की।

न्यूज़ ट्रैक....

प्रो कबड्डी सीजन-9 में ब्रजेश बागोरा का तकनीकी अधिकारी के रूप में चयन

इन्दौर । इन्दौर वाण्डरर्स के राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी ब्रजेश बागोरा को प्रो कबड्डी सीजन-9 में मुकाबले के लिए चौथी बार तकनीकी अधिकारी (रेफरी) मनोनीत किया गया है। वे इसके पहले फायर बर्ड टीम में भी कोच की भूमिका निभा चुके हैं तथा प्रो कबड्डी के सीजन-6 और सीजन-7 में भी तकनीकी अधिकारी (रेफरी) रह चुके हैं। वे आज बेंगलुरू के लिए रवाना हो गए हैं, जहां ये मुकाबले खेले जाएंगे। उनके चयन पर म.प्र. कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक जोशी पिन्टू, सचिव मोहन चौहान, रेफरी बोर्ड के संयोजक जे.सी. शर्मा, इन्दौर वाण्डरर्स के रमेश सेन, धनंजय शर्मा, प्रकाश गौड़, गोवर्धन गहरवाल, अनिल गौड़ एवं इन्दौर कबड्डी कार्पोरेशन एरिया के संयोजक मुकेश करवरिया ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

टी20 विश्व कप से बाहर होने से निराश हैं बुमराह

नई दिल्ली । टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया में इसी माह होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट से बाहर होने से निराश हैं। बुमराह ने हालांकि कहा कि वह टीम का होंसला बढ़ाते रहेंगे। बुमराह पीठ में दर्द उभरने के कारण विश्व कप से बाहर हुए हैं। उन्होंने ट्वीट किया. 'मैं इस बात से दुखी हूं कि मैं इस बार टी20 विश्व कप का हिस्सा नहीं बनूंगा पर अपने प्रशंसकों से मिली शुभकामनाओं, देखभाल और समर्थन के लिए मैं आभारी हूं। जैसे ही मैं ठीक हो जाऊंगा, ऑस्ट्रेलिया जाकर टीम का उत्साह बढ़ाऊंगा।' उनका अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में उपचार हो रहा है और बीसीसीआई उनकी चिकित्सा रिपोर्ट का इंतजार कर रही है पर यह तो तय है कि वह अगले कई माह तक नहीं खेल पाएंगे। बुमराह इसी पीठ दर्द के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से भी बाहर हुए थे।

बेयरस्टो ने विश्वकप से बाहर होने के कारण बताये

लंदन । इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो ने उन कारणों को बताया है जिसके कारण वह इस माह ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप से बाहर हुए हैं। बेयरस्टो को पिछले माह गोल्फ खेलते समय चोट लग गयी थी। इसी कारण वह विश्व कप से बाहर हुए हुए। बेयरस्टो ने कहा है कि उनके बाएं पैर में फ्रैक्चर होने के साथ ही उनका टखना भी खिसक गया था। इस चोट लगने से कुछ समय पहले ही वह विश्व कप के लिए घोषित टीम में शामिल थे। गोल्फ खेलते समय वह अपना संतुलन बनाए रखने के दौरान गिर गये थे। बेयरस्टो ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मेरी टांग में तीन जगह फ्रैक्चर हो गया था और मेरा टखना भी खिसक गया था जिसके लिए मुझे सर्जरी की जरूरत पड़ी। बेयरस्टो की चोटिल होने के एक सप्ताह के बाद ही सर्जरी की गयी थी। अब वह इस साल वापसी नहीं कर पायेंगे। उनके अब अगले साल ही खेलने की संभावना है।

राइली रूसो के तूफानी शतक से तीसरा टी-20 मैच दक्षिण अफ्रीका ने जीता

इन्दौर । टी-20 विश्वकप से ठीक पहले भारत ने साउथ अफ्रीका को टी-20 सीरीज में 2-1 से हरा दिया है। हालांकि इन्दौर के होलकर स्टेडियम में हुआ सीरीज का अंतिम टी-20 मुकाबला भारत 49 रनों से हार गया। 228 रनों का पीछा करने उतरी टीम इंडिया सिर्फ 178 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई और इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने क्लीन स्वीप होने से खुद को बचा लिया है। होलकर स्टेडियम में यह टीम इंडिया की पहली हार है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट खोकर 227 का बड़ा स्कोर बनाया था। मेहमान टीम से राइली रूसो (100*) ने शानदार नाबाद शतकीय पारी खेली, क्विंटन डिकॉक (68) ने उम्दा अर्द्धशतक ठोंका। दूसरी तरफ भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवर भी नहीं खेल सकी और 18.3 ओवर में 178 रनों पर धराशाही हो गयी। भारत के लिए सिर्फ दिनेश कार्तिक ही 46 रनों की बड़ी पारी खेल सके। उन्होने कुछ धमाकेदार शॉट्स लगाए, लेकिन उनके अलावा टीम इंडिया की ओर से बल्लेबाजों ने शॉट तो लगाए, लेकिन कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाए। अंत में जरूर दीपक चाहर ने 31 रनों की पारी खेली, लेकिन वह भी बेकार गई।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया, लेकिन उनकी सोच के विपरीत प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने रनों का अम्बार लगा दिया। पहले दोनों मुकाबलों में खाता भी नहीं खोल पाने वाले राइली रूसो ने अपने कॅरियर का पहला टी-20 शतक ठोंक दिया। रूसो ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मात्र 48 गेंदों में ही अपना शतक पूरा किया। 5वें ओवर में बल्ला लेकर मैदान पर उतरे राइली रूसो ने सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 90 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, इस दौरान उन्होने 27 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद भी रूसो के बल्ले ने रन बरसाना बंद नहीं किया और देखते ही देखते 48 गेंदों में इस फॉर्मेट में अपना पहला शतक जड़ दिया। अपनी नाबाद शतकीय पारी में उन्होने 7 चौके और 8 गगनभेदी छक्के भी जड़े। अफ्रीकी टीम ने मात्र 3 विकेट पर 227 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा कर भारत के सामने जीत के लिए 228 रनों का लक्ष्य रखा। भारत के लिए दीपक चाहर व उमेश यादव को 1-1 विकेट मिला। चाहर ने 4 ओवर में 48 रन दिए, जबकि उमेश ने 3 ओवर में 34 रन दिए। हर्षल पटेल सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए, उन्होने 4 ओवर में 49 रन दिए। मोहम्मद सिराज व रविचन्द्रन अश्विन ने क्रमशः 4-4 ओवर में 44 व 35 रन दिए।

टीम इंडिया की शुरुआत निराशाजनक रही

228 रनों के लक्ष्य को भेदने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत निराशाजनक रही। रोहित शर्मा खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। इसके बाद श्रेयस अय्यर एक रन और ऋषभ पंत 14 गेंदों में 27 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने 3 चौके और 2 छक्के लगाए। दिनेश कार्तिक 21 गेंदों में 46 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में कार्तिक ने 4 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, शानदार फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार इस मैच में कुछ खास नहीं कर सके और 6 गेंदों में 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 8 ओवर में 86 पर पॉच विकेट गवाने के बाद हर्षल पटेल (17) व अक्षर पटेल (9) भी अपना विकेट जल्द गवां बैठे। 11.4 ओवर में 114 रनों पर 7 विकेट गवां दिए। इसके बाद रविचंद्रन अश्विन (2), दीपक चहर (31) व मोहम्मद सिराज (5) के विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला 49 रनों से जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से ड्वेन प्रीटोरियस ने 3.3 ओवर में 26 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट लिए, जबकि केशव महाराज, लुंग?सानी एनगिडी, वेन पार्नेल ने दो-दो विकेट लिए। कगिसो रबाड़ा को 1 सफलता मिली।

टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम आगामी इस साल के अंत में नवंबर-दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम अपने इस दौरे में शीर्ष रैंकिंग वाली मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। विश्व रैंकिंग में अभी भारतीय टीम पांचवें स्थान पर बनी हुई है और उसे 26 नवंबर से चार दिसंबर के बीच यह सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का दूसरा, तीसरा और चौथा मैच 27 नवंबर, 30 नवंबर और तीन दिसंबर को होगा। इस साल अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में हुई भड़ंत के बाद यह पहला अवसर है जब दोनो टीमें खेलेंगी। अगले साल जनवरी में ओडिशा में होने वाले 2023 पुरुष विश्व कप की तैयारियों को देखते हुए यह सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इससे भारतीय टीम को अपनी तैयारी बेहतर करने का अवसर मिलेगा। वहीं भारतीय महिला टीम भी अगले साल मई में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के खिलाफ एक सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के लिए हालांकि अभी तारीखों की घोषणा होनी है। वहीं हॉकी ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड प्राइल्स ने कहा, 'एडिलेड में इन सभी मैचों की मेजबानी की संभावना जताने के साथ ही दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने मेजबानी के लिए बहुत उत्साह और उत्सुकता दिखायी है। ऐसे में हमें इन मैचों को दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में लाने की खुशी हो रही है।'

उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ समय से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच हॉकी मैदान पर कड़ी टक्कर देखने को मिली है. एडिलेड में भारतीय मूल के लोगों की बड़ी आबादी होने के कारण भी भारत के काफी प्रशंसक रहेंगे।'

वहीं हॉकी इंडिया के नये अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा,' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इन मुकाबलों से एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप और एशियाई खेलों को देखते हुए भारतीय पुरुष और महिला टीम दोनों को अपनी तैयारियों के लिए एक अच्छा अवसर मिलेगा।'

कप्तान सौम्या की जुझारू पारी से मध्य प्रदेश की

इन्दौर । नरेंद्र मोदी स्टेडियम ग्राउंड मोटेरा में मंगलवार को विमेंस अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी के मध्य प्रदेश के तीसरे मुकाबले एक बार फिर से कप्तान सौम्या तिवारी के दोहरे प्रदर्शन से मध्यप्रदेश ने उत्तर प्रदेश को 3 विकेट से पराजित किया। उत्तर प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया उनके शुरुआती विकेट जल्दी आउट हो गए। कप्तान सौम्या ने शुरुआती तीन झटके दिए, 2 विकेट लेने के बाद उन्होने एक ख?लाड़ी को डायरेक्ट रन आउट कर दिया, इससे यूपी की पारी को लड़खड़ा गई और यूपी के बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते चले गए और केवल 71 रन 9 विकेट बना सकें। इसमें सर्वाधिक 13 रन श्रद्धा तिवारी ने जोड़े, इसके अलावा रमा व पार्श्वि ने 12-12 रनों का योगदान दिया। मध्य प्रदेश की ओर से गेंदबाजी करते हुए सौम्या तिवारी व चद्दस्ल्ह वैष्णवी ने 2-2 विकेट लिए। सौम्या ने ही एक विकेट सीधे थ्रो से रन आउट किया। बल्लेबाजी करने उतरी मध्य प्रदेश की टीम ने कप्तान सौम्य तिवारी के 42 गेंद पर 2 चौके की मदद से 33 रन और सोमिया अली अंसारी के 16 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट के नुक्सान पर 72 रन बना कर 3 विकेट से मैच जीत लिया। मध्य प्रदेश के एक तरफ से विकेट गिरते जा रहे थे, दूसरी तरफ से कप्तान सौम्या ने संघर्षपूर्ण सिंगल सिंगल रन लेते हुए मैच को आखिर तक ले गई और मध्य प्रदेश आखरी बाल पर जरूरी रन बनाने के साथ ही 3 विकेट से विजयी रहा।

आईपीएल से पहले होगी दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट लीग

जोहांसबर्ग । अगले साल 10 जनवरी से दक्षिण अफ्रीका में एसए 20 क्रिकेट लीग शुरु होगी। इस लीग को मिनी आईपीएल भी कहा जा रहा है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका में होने वाले इस टी20 लीग की सभी 6 टीमों का मालिकाना अधिकार आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों के पास है। आईपीएल 2023 से पहले यह 20 क्रिकेट लीग खेली जाएगी। इस लीग में जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स की कप्तानी फाफ डुप्लेसी के पास रहेगी। इस प्रतियोगिता के पहले सत्र में कुल 33 मैच खेले जाएंगे। इसमें सभी टीमें राउंड रॉबिन के आधार पर एक-दूसरे से दो बार घर और बाहर खेलेगी और इसके बाद सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल मुक़ाबले खेले जाएंगे। इस लीग में ज्यादातर वही खिलाड़ी भाग लेंगे, जो आईपीएल 2023 में भी खेलते दिखे थे। इस प्रकार आईपीएल-2023 से पहले यह किसी लीग मिनी आईपीएल जैसी ही नजर आयेगी। एसए 20 क्रिकेट लीग में कुल 6 टीमें एम आई केपटाउन, डरबन सुपर जायंट्स, जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स, पार्ल रॉयल्स, प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप भाग लेंगी। इन सभी टीमों का मालिकाना अधिकार आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों के पास है। इसमें हर टीम के दल में 17 खिलाड़ी रहेंगे।

व्यापार न्यूज

ईडी ने पीएमएलए मामले में व्यापारी की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धोखाधड़ी से संबंधित धन शोधन रोकथाम (पीएमएलए) मामले में व्यवसायी धनराज कोचर और उनके परिवार के सदस्यों की 49.60 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। उक्त मामले में यह दूसरी कुर्की है। ईडी द्वारा पहले ही 69.14 करोड़ रुपए की कुर्की की जा चुकी है। ताजा कुर्की के साथ इस मामले में कुल 118.74 करोड़ रुपए की कुर्की की गई है। ईडी ने सीसीबी, तमिलनाडु पुलिस द्वारा कोचर, उसके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की। ईडी ने 2021 में कोचर और उनके परिवार के सदस्यों के आवासीय और व्यावसायिक परिसरों और बैंक लॉकरों पर तलाशी अभियान चलाया था और भारतीय मुद्रा और आभूषण और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए थे। ईडी को जांच में पता चला है कि एक एमएस हमीद और धनराज कोचर और एक अब्दुल रावूफ डी आर फाउंडेशन्स एंड एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक थे, जो रियल एस्टेट कारोबार में थी। 2005-06 के दौरान, थिरुपुरूर उप-पंजीयक कार्यालय के अधिकार क्षेत्र के तहत सिरुसेरी गांव में संपत्ति, 20 दस्तावेजों में, हमीद और उसके परिवार के सदस्यों और उसकी व्यावसायिक इकाई पैरामाउंट बिल्डर्स द्वारा डीआर फाउंडेशन और रियल एस्टेट प्राइवेट में निवेश किए गए धन से खरीदी गई थी।

मजदूरी की दरों में वृद्धि से चाय उत्पादन कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ा

मुंबई । वैश्विक आपूर्ति में अड़चनों के बीच चाय की कीमतों में वृद्धि से पश्चिम बंगाल और असम में बढ़ी हुई मजदूरी दरों के प्रभाव की भरपाई होने का अनुमान है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर भारत, असम और पश्चिम बंगाल में मजदूरी में वृद्धि की चाय उत्पादन पर होने वाली प्राप्तियों से भरपाई होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में पाया गया कि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान मजदूरी की दरों में वृद्धि का चाय उत्पादन कंपनियों के मार्जिन पर असर प?ा है। मजदूरी की दरों के प्रभाव के बावजूद उत्पादकों के वित्तीय प्रदर्शन में सालाना आधार पर चालू वित्त वर्ष में सुधार की संभावना है।'' वैश्विक स्तर पर ओडीएक्स चाय के सबसे बड़े निर्यातक श्रीलंका में मौजूदा आर्थिक संकट के कारण उत्पादन में कई दिक्कतें आई है।

शेयर के साथ सोने-चांदी ने भी पकड़ी गति, 51000 के पार निकला सोना, चांदी में 3800 रुपए उछला

नई दिल्ली । फेस्टिव सीजन शुरू होते ही सोने और चांदी की मांग में तेजी आ गई है। इससे इनके दाम बढ़ने लगे हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की की कीमत में तेजी देखने को मिली। दिल्ली में सोने की कीमत 980 रुपए बढ़कर 51,718 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। सोमवार को भी सोना बढ़त के साथ 50,738 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था।

वहीं, बात करें चांदी की तो इसमें 3,790 रुपए रुपए का उछाल देखने को मिला है और ये 61,997 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। बता दें कि सोमवार को भी सोने और चांदी दोनों की कीमत में तेजी दर्ज की गई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में तेजी का असर यहां भी दिख रहा है। इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड 1,710 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था। वहीं, चांदी भी उछलकर 20.99 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिसर्च एनालिस्ट दिलीप परमार ने कहा है कि कमोडिटी एक्सचेंज पर गोल्ड मार्च के बाद शीर्ष स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इस तेजी का कारण यूएस ट्रेजरी यील्ड में लगातार गिरावट और डॉलर में लौटी कमजोरी है।

आप केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई बीआईएस केयर ऐप के जरिए सोने की शुद्धता की जांच कर सकते हैं। आप इस ऐप के जरिए पता लगा सकते हैं कि आपके द्वारा खरीदा गया सोना असली है या नहीं। अगर आपको सोने की क्वालिटी पर शक है तो आपकी इसकी जानकारी भी ऐप पर दर्ज कर सकते हैं और जहां से आपने सोना खरीदा है उसकी शिकायत भी कर सकते हैं। आपकी शिकायत पर संबंधित विभाग ने क्या कार्रवाई की है इसकी जानकारी भी आपको मिलती रहेगी।

शेयर बाजार में आज भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली। बीएसई का सेंसेक्स 1276.66 अंक (2.25 फीसदी) बढ़कर 58,065.47 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 386.95 अंक (2.29 फीसदी) बढ़कर 17,274.30 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले सोमवार को मार्केट में गिरावट देखने को मिली थी। शेयर मार्केट में आज आई तेजी एशियाई व अमेरिकी बाजार का अनुसरण कर रही थी।

डीलरों की आपूर्ति सुधार से सितंबर में वाहनों की खुदरा बिक्री में 11 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन के आने के पहले वाहन विनिर्माताओं से डीलरों को होने वाली आपूर्ति सुधरने के चलते सितंबर में वाहनों की खुदरा बिक्री 11 प्रतिशत बढ़ गई। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने मंगलवार को सितंबर बिक्री के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि पिछले महीने कुल खुदरा बिक्री 14,64,001 इकाइयों की हुई जो एक साल पहले की समान अवधि में 13,19,647 इकाई रही थी। फाडा ने कहा कि अक्टूबर के महीने में खुदरा बिक्री की संख्या इससे भी अधिक रहने की संभावना है क्योंकि इस दौरान दशहरा और दिवाली के त्योहार होने से उपभोक्ताओं की मांग अधिक रहने की उम्मीद है।

फाडा ने कहा, ÷डीलरों को इस महीने यात्री वाहन खंड में पिछले एक दशक का सबसे अच्छा त्योहारी मौसम रहने की उम्मीद है। हमें इस महीने बिक्री में और तेजी आने की स्थिति बनती हुई दिख रही है।÷ ट्रैक्टर एवं कुछ तिपहिया वाहनों को छोड़कर बाकी सभी वाहन खंडों ने सितंबर के महीने में बेहतर बिक्री आंकड़े दर्ज किए। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 2,60,556 इकाई जबकि सितंबर 2021 में 2,37,502 वाहन बिके थे। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने एक बयान में कहा, ÷सेमीकंडक्टर की आपूर्ति सुधरने से कारों की उपलब्धता बेहतर होने और आधुनिक खूबियों से लैस नए मॉडलों की पेशकश से उपभोक्ता अपना पसंदीदा वाहन खरीदने के लिए डीलरों के पास बड़ी संख्या में आए।÷

यात्री वाहन खंड में मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 1,03,912 इकाइयों की खुदरा बिक्री की जबकि हुदै मोट इंडिया ने 39,118 और टाटा मोटर्स ने 36,435 इकाइयों की बिक्री की। इसी तरह दोपहिया वाहनों की पंजीकरण भी सितंबर में नौ प्रतिशत बढ़कर 10,15,702 इकाई हो गया जबकि एक साल पहले यह संख्या 9,31,654 थी। सिंघानिया ने कहा कि एंट्री-लेवल बाइक खंड में सबसे ज्यादा उछाल देखी गई। दोपहिया वाहन खंड में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया 2,84,160 इकाइयों के साथ सबसे आगे रही। हीरो मोटोकॉर्प 2,50,246 वाहनों की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रही। फाडा के मुताबिक, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सितंबर में 19 प्रतिशत बढ़कर 71,233 इकाई हो गई जो एक साल पहले 59,595 इकाई थी। इस खंड में टाटा मोटर्स 28,615 वाहनों की बिक्री के साथ सबसे आगे रही। हालांकि ट्रैक्टर की खुदरा बिक्री मामूली गिरावट के साथ 52,595 इकाई रही। वहीं तिपहिया खंड में बजाज ऑटो 19,474 वाहनों की बिक्री के साथ सबसे आगे रही।

वैश्विक धमकी को नजरअंदाज कर रूस से जमकर तेल खरीद रहा है भारत

नई दिल्ली । रूस-यूक्रेन जंग के चलते रूस को पश्चिमी देश तेल पाबंदियों की मदद से घेरने की कवायद कर रहे हैं। पश्चिमी देश लगातार रूस से कारोबार नहीं करने का दबाव भी बना रहे हैं। लेकिन दुनिया की धमकी से बेअसर भारत रूस से जमकर तेल खरीद रहा है। भारत रूस से लगातार तेल की खरीद बढ़ा रहा है। बीते दिनों पश्चिम देशों ने कहा था कि भारत और चीन की वजह से ही रूस पर इन प्रतिबंधों का असर नहीं पड़ा है। अमेरिका भारत पर दबाव बनाता रहा है कि वो रूस से तेल की खरीद रोके। लेकिन भारत ने साफ कर दिया था कि उसके लिए भारत के नागरिकों के हित सबसे पहले हैं।ऊर्जा कार्गो ट्रैकर वोर्टेक्स के मुताबिक, भारत में सितंबर माह में रूसी तेल का आयात अगस्त से दो महीने तक गिरने के बाद 18.5 फीसदी तक बढ़ गया है। इसके चलते यह सऊदी अरब के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बन गया है। आंकड़े बताते हैं कि सितंबर में 879,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी तेल का आयात जून के 933,000 बीपीडी के बाद भारत के लिए एक महीने में दूसरा सबसे अधिक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत इस तिमाही में और ज्यादा रूसी क्रूड आयात करने पर विचार कर सकता है, क्योंकि घरेलू मांग में मौसमी वृद्धि और यूरोप से उच्च निर्यात मांग को पूरा करने के लिए रिफाइनर तेजी से बढ़ते हैं।यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से पहले रूसी तेल में भारत के आयात का लगभग 1 फीसदी शामिल था क्योंकि माल ढुलाई ने इसे अप्रतिस्पर्धी बना दिया था, लेकिन अब यह 21 फीसदी तक चढ़ गया है। रूसी क्रूड के लिए भारतीय रिफाइनर का आकर्षण यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद बढ़ गया। इसकी वजह है कि व्यापारियों ने ज्यादा छूट की पेशकश की, जो कि डिलीवरी के आधार पर लगभग 5-6 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। बढ़ते रूसी आयात का मतलब अमेरिका, इराक और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अन्य प्रमुख निर्यातकों के लिए बाजार हिस्सेदारी का नुकसान है। रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में, सऊदी अरब भारत के लिए शीर्ष आपूर्तिकर्ता था जबकि इराक और संयुक्त अरब अमीरात क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर थे। पांचवें सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता अमेरिका के पास अब भारतीय बाजार का लगभग 4 फीसदी हिस्सा है, जो एक साल पहले के 10 फीसदी से कम है।

ट्विटर ने दिया मस्क को झटका, छह माह में 30 फीसदी से ज्यादा गिरा टेस्ला का शेयर

नई दिल्ली । दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में सोमवार को आठ फीसदी से अधिक गिरावट दर्ज की गई। इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली यह कंपनी 2018 में पहली बार लाभ में आई थी और तबसे इस साल अप्रैल तक इसके शेयरों में 1900 फीसदी तेजी दर्ज की गई है। छह महीने पहले कंपनी के शेयर रेकॉर्ड हाई पर पहुंच गए थे। तब कंपनी का मार्केट कैप 1.1 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गया जो आधा दर्जन से अधिक टॉप ऑटो कंपनियों के कंबाइंड मार्केट कैप से अधिक था।

पिछले छह महीने में कंपनी के शेयरों में 30 फीसदी से अधिक गिरावट दर्ज की गई है। इससे कंपनी के सीईओ मस्क की नेटवर्थ में भी काफी गिरावट आई है। लंबे समय से आलोचकों का कहना है कि टेस्ला के शेयरों की कीमत उसकी असल वैल्यू से कहीं ज्यादा है। मस्क ने जब अप्रैल में सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर को खरीदने की घोषणा की थी। उसके बाद से टेस्ला के शेयरों में लगातार गिरावट आ रही है। निवेशकों का कहना है कि मस्क का फोकस टेस्ला से हट गया है। साथ ही टेस्ला को सप्लाई चेन की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

चीन में लॉकडाउन से भी कंपनी की मुश्किलें बढ़ी हैं। इससे तीसरी तिमाही में कंपनी की बिक्री बाजार की उम्मीदों के मुताबिक नहीं रही। पिछले साल नवंबर में उनकी नेटवर्थ 300 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गई थी और यह मुकाम हासिल करने वाले वह दुनिया के पहले शख्स थे। लेकिन एक अप्रैल से पिछले शुक्रवार तक कंपनी के शेयरों में 27 फीसदी गिरावट आ चुकी थी। सोमवार को भी इसमें आठ फीसदी से अधिक गिरावट आई। इससे मस्क की नेटवर्थ में भी 15.5 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 223 अरब डॉलर रह गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 47.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

जानकारों का कहना है कि निवेशकों का मस्क से मोह भंग हो चुका है। हालांकि टेस्ला के फैंस का कहना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग आगे बढ़ने वाली है और इस वजह से कंपनी अच्छी पोजीशन में है। टेक एनालिस्ट डेनियल ईव्ज ने कहा कि तीसरी तिमाही में कंपनी के प्रदर्शन से निवेशकों को निराशा होगी। आगे भी कंपनी की मुश्किलें कम होने वाली नहीं है। पिछले शुक्रवार को कंपनी ने अपने लेटेस्ट रोबोट्स का प्रदर्शन किया था। तब मस्क ने वादा किया था कि रोबोट बिजनस कंपनी की सेल और प्रॉफिटैबिलिटी को बदलकर रख देगा। लेकिन ईव्ज ने कहा कि निवेशकों में यह धारणा है कि मस्क का फोकस सही नहीं है। मस्क ने टेक्सास और जर्मनी में शुरू हुए प्लांट्स को लेकर भी बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन उनमें उत्पादन बढ़ाने में कंपनी को संघर्ष करना पड़ रहा है। कंपनी ने तीसरी तिमाही में 343,000 कारें डिलीवर की जो उम्मीद से काफी कम हैं।

हालांकि ऐसा नहीं है कि केवल टेस्ला के शेयरों में ही गिरावट आई है। पिछले छह महीने में कई टेक कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई है। दुनियाभर में सेंट्रल बैंक्स ने महंगाई को रोकने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है जिससे बाजार में गिरावट आई है। साथ ही मंदी की आशंका भी बढ़ गई है। एपल के शेयरों में दूसरी और तीसरी तिमाही में 21 फीसदी से अधिक गिरावट आई है। इसी तरह गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट में 31 फीसदी, फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा में 39 फीसदी और ऐमजॉन के शेयरों में 31 फीसदी गिरावट आई है।

टूर ऑपरेटर में भी हैं कॅरियर के सुनहरे मौके

अगर आपको घूमने का शौक है तो लोगों को पर्यटन स्थलों पर घुमाने के काम में अपना करियर बना सकते हैं। हालांकि इस काम के लिए मार्केटिंग में दक्ष होना जरूरी है, पर थीम टूरिज्म और विभिन्न भाषाओं की जानकारी भी सफल टूर ऑपरेटर बनने के लिए जरूरी है। ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में टूर ऑपरेटर्स वे पेशेवर होते हैं, जो पर्यटकों को दर्शनीय स्थलों तक घुमाने के लिए होलीडे पैकेज तैयार करते हैं। एक टूर ऑपरेटर के तौर पर यह आपको ही तय करना होता है कि आपके काम करने का दायरा कहां तक होगा। टूर ऑपरेटर के तौर पर आप दुनिया के किसी भी कोने में दिलचस्प और खास जगहों पर पर्यटकों को ले जा सकते हैं, पहाड़ की ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं, मोटर-साइकिल या कार से राज्य, देश या विश्व के भ्रमण का कार्यप्रम तय कर सकते हैं।

टूर ऑपरेटर का काम बड़ा दिलचस्प होता है। वह आकर्षक पैकेज तैयार करता है और उन्हें ट्रैवल एजेंट्स के माध्यम से या सीधे ही लोगों तक पहुंचाता है। यह भी ध्यान रखा जाता है कि जो भी पैकेज तैयार किया जाए, वह इतना आकर्षक हो कि पर्यटक ज्यादा से ज्यादा पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सकें और जेब पर भी ज्यादा भार न पड़े। इसमें पर्यटकों की सुविधा का इस तरह ध्यान रखना पड़ता है कि उनका हर टूर यादगार बन जाए और एक टूर ऑपरेटर के तौर पर आप हमेशा के लिए उन्हें याद रह जाएं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंडल एसोचौम और यस बैंक के संयुक्त अध्ययन में कहा गया है कि जिस तरह से देश-दुनिया में ट्रैवल एवं टूरिज्म का क्षेत्र बढ़ रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि 2019 तक यह क्षेत्र रोजगार उपलब्ध कराने के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्र बन जाएगा।

योग्यता: टूर ऑपरेटर के तौर पर करियर बनाने के इच्छुक अभ्यर्थियों को यह बात पता होनी चाहिए कि केवल कोई विशेष कोर्स कर लेने भर से विशेषज्ञता हासिल नहीं हो जाती। हां, डिग्री, डिप्लोमा जैसी योग्यताएं हासिल करने के बाद इस रूप में काम जरूर किया जा सकता है। आप में बेहतर तरीके से चीजों को व्यवस्थित करने की योग्यता होनी चाहिए, घूमने-फिरने का शौक और अधिक से अधिक भाषाओं की जानकारी हो तो और बेहतर। बतौर टूर ऑपरेटर आपको खास राज्य, खास किस्म के थीम में विशेषज्ञता हासिल करनी होगी, मसलन यदि धार्मिक पर्यटन में आपकी महारत है तो बाजार में इस तरह के पर्यटन के लिए तुरंत आपका नाम लोगों के जेहन में आना चाहिए।

कोर्स : आप विभिन्न संस्थानों से डिग्री, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके प्रमुख कोर्स में शामिल हैं एडवांस डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, बेसिक कोर्स इन एयरलाइन ट्रैवल, फेयर्स एंड टिकटिंग मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और एयर ट्रैवल फेयर एंड टिकटिंग जैसे कोर्स प्रमुख रूप से किए जा सकते हैं।

अवसर: यहां आप सरकारी, निजी और मल्टीनेशनल कंपनियों में भी रोजगार तलाश सकते हैं। कुछ निजी कंपनियों जैसे कॉक्स एंड किंग्स, एयरलाइंस, ताज ग्रुप ऑफ होटल्स, मेक माई ट्रिप डॉट कॉम में नौकरियां हैं। इसके अलावा पर्यटन विभाग, होटल उद्योग, एयरलाइंस और ट्रैवल एजेंसियों में आपके लिए द्वार खुले हैं।

वेतन: टूर ऑपरेटर के तौर पर सबसे बेहतर बात तो यही है कि आप अपनी ट्रैवल एजेंसी शुरू करें, लेकिन आपके पास निवेश योग्य इतना धन जरूर होना चाहिए कि आप पूरे टूर ऑपरेशन को संभाल सकें। अगर ऐसा नहीं हो पाता तो सरकारी या निजी क्षेत्र में बतौर टूर ऑपरेटर काम कर सकते हैं।

कृषि वैज्ञानिक बनकर दें देश के विकास में योगदान

अब कृषि क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें भी रोजगार की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इस क्षेत्र में नई तकनीक के इस्तेमाल के बाद वेतन भी तेजी से बढ़ा है। इसलिए अब युवाओं के लिए यह भी पसंदीदा क्षेत्र बनकर उभरा है।

आधुनिकता के इस दौर में कृषि के प्रति युवाओं का आना भविष्य के लिए एक अच्छा संकेत भी है। अगर आप भी कृषि अनुसंधान के क्षेत्र से जुड़कर कृषि वैज्ञानिक या फिर एक बेहतर किसान बनना चाहते हैं तो फिर इसके लिए आपको 12वीं की परीक्षा अच्छे अंकों से पास कर बीएससी एग्रीकल्चर या फिर बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स की डिग्री हांसिल करनी होगी। यह डिग्री एग्रीकल्चर, वेटनेरी साइंस, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, फॉरेस्टरी, हॉर्टीकल्चर, फूड साइंस और होम साइंस में से किसी भी एक विषय में ले सकते हैं। अपनी पढ़ाई पूरी करके आप सीधे खेती और इससे संबंधित गतिविधियों से जुड़कर कृषि क्षेत्र में देश के विकास में अपना अहम योगदान दे सकते हैं।

कृषि क्षेत्र में करियर की संभावनाएं

- आज भी भारत की करीब 70 फीसदी जनसंख्या जीविका के लिए पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में पढ़े लिखे किसानों की सख्त जरूरत है।कृषि क्षेत्र में आप मार्केटिंग, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग या मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना सुनहरा करियर बना सकते हैं।
- इसके अलावा आप नेशनेलाइज्ड बैंकों में बतौर कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण विकास अधिकारी, फील्ड ऑफिसर बनकर अपना शानदार करियर बना सकते हैं।इसके साथ ही राज्यों के विभिन्न कृषि विभागों में आपके लिए रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।
- कृषि महाविद्यालयों में प्रवेश पाने के लिए युवाओं के बीच मची होड़ से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन युवाओं के सिर पर कृषि क्षेत्र में करियर का जुनून किस कदर हावी है।

इन संस्थानों से ले सकते हैं प्रशिक्षण

- अगर आप भी कृषि क्षेत्र में करियर तलाश रहे हैं तो इसके लिए बेहतरीन संस्थानों के बारे में जानकारी भी हासिल कर लें।
- आप हैदराबाद, पुणे, ग्वालियर, इंदौर और पालमपुर स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण ले सकते हैं।
- कोलकाता और भुवनेश्वर के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से भी आप डिग्री हांसिल कर सकते हैं।
- उदयपुर के राजस्थान एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी में कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण के साथ डिग्री भी पा सकते हैं।
- इलाहाबाद स्थित इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षण लेकर आप कृषि क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

लिखावट पढ़ने में माहिर हैं तो बनें हैंडराइटिंग विशेषज्ञ

अगर आप लिखावट से किसी के बार में जान सकते हैं तो आप हैंडराइटिंग विशेषज्ञ बन सकते हैं। हैंडराइटिंग विशेषज्ञ किसी की लिखावट पढ़कर ही उसके व्यक्तित्व के बारे में बता सकता है। इसका मुख्य काम लोगों की लिखावट को पहचान कर व समझ कर उस व्यक्ति के व्यक्तित्व का आंकलन करना होता है। वह अपने काम के दौरान बेहद बारीकी से किसी व्यक्ति की लिखावट का अध्ययन करता है। वह न सिर्फ व्यक्ति के हस्ताक्षर, बल्कि उसके लिखने के स्टाइल, शब्दों को बनाने का तरीका व शब्दों के बीच अंतर आदि जैसी छोटी बातों को भी ध्यान में रखता है और उस व्यक्ति के बारे में वह सब जानकारी मुहैया कराता है, जिसे आसानी से पता लगा पाना लगभग असंभव होता है।

स्किल्स

एक बेहतरीन हैंडराइटिंग विशेषज्ञ बनने के लिए व्यक्ति का अपने काम में माहिर होना बेहद आवश्यक है। साथ ही उसके भीतर साइकोलॉजिकल सेंस भी होनी जरूरी है। इसके अतिरिक्त अपने काम की बारीकियों को सीखने में अच्छी कम्युनिकेशन स्किल, इंटेलिजेंस व छोटी से छोटी बात को नोटिस करने की क्षमता व लोगों का आंकलन करना आना चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम बढ़ाने के लिए यूं तो अलग से कोई पेशेवर कोर्स उपलब्ध नहीं है। यह विधा फोरेंसिक साइंस के भीतर ही सिखाई जाती है लेकिन आजकल इनकी बढ़ती मांग को देखते हुए बहुत से

संस्थानों में हैंडराइटिंग विधा को सिखाने के लिए शॉर्ट टर्म व डिप्लोमा कोर्स करवाया जाता है। इन कोर्स के माध्यम से आप हैंडराइटिंग की बारीकी को आसानी से सीख सकते हैं।

संभावनाएं

हैंडराइटिंग विशेषज्ञ के लिए काम की कोई कमी नहीं है। सबसे पहले तो कॉरपोरेट सर्विसेज में

सेवाएं ली जाती हैं ताकि वह कंपनी के लिए एक सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति की पहचान कर सकें। इसके अतिरिक्त फोरेंसिक डिपार्टमेंट में मामलों को सुलझाने में भी इनकी अहम भूमिका होती है। वहीं कोर्ट, पुलिस डिपार्टमेंट, स्कूल्स, कॅरियर गाइडेंस सेक्टर यहां तक कि सही लाइफ पार्टनर चुनने में भी काफी हद तक सहायक होते हैं क्योंकि वह अपने स्किल्स का प्रयोग करके व्यक्ति स्वभाव व उसके व्यक्तित्व के बारे में गहराई से पता लगा सकते हैं।

आमदनी

एक हैंडराइटिंग विशेषज्ञ की आमदनी मुख्य रूप से उसके स्किल्स पर निर्भर करती है। अगर आप अपने काम में अभ्यस्त हैं तो आप प्रतिघंटे 500 रूपए तक कमा सकते हैं। इसके अतिरिक्त शुरूआती दौर में ही 20000 से 40000 रूपए प्रतिमाह की आमदनी कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- हैंडराइटिंग एनालिस्ट ऑफ इंडिया, विशाखापट्टनम
- इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडराइटिंग रिसर्च, मुंबई
- वर्ल्ड स्कूल ऑफ हैंडराइटिंग, मुंबई
- हैंडराइटिंग इंस्टीट्यूट इंडिया, बैंगलोर

इन क्षेत्रों में हैं अच्छे अवसर

निजी क्षेत्र में आजकल सेल्स, ब्रैंड मैनेजमेंट या मार्केट रिसर्च में काफी संभावनाएं हैं हालांकि इसके लिए आपकी कम्यूनिकेशन स्किल्स (संवाद शैली) काफी बेहतर होनी चाहिए। मैनेजमेंट के क्षेत्र में ये विकल्प मौजूद हैं

ऑपरेशंस मैनेजमेंट

अगर आप विपरीत परिस्थितियों को आसानी से हैंडल कर लेते हैं और तकनीक में आपकी रुचि है, तो आप यह स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। यह क्वॉलिटी कंट्रोल और प्रॉडक्टिविटी इंप्रूवमेंट में अहम भूमिका निभाता है।

फाइनैंस

ये लोग बैंक एंड पर काम करते हैं और इंवेस्टमेंट बैंकिंग, मर्चेंट बैंकिंग, कॉरपोरेट फाइनेंस वगैरह की रीढ़ की हड्डी होते हैं।

सिस्टम मैनेजमेंट

यह स्पेशलाइजेशन आईटी से ताल्लुक रखता है और अच्छी टेक्निकल व बिजनेस समझ रखने वालों के लिए यह बेहतर रहता है। इसके बाद आपको सिस्टम कंसल्टेंसी, अकाउंट या प्रॉजेक्ट मैनेजमेंट वगैरह में प्लेसमेंट मिल सकता है।

ह्यूमन रिसॉर्स मैनेजमेंट

इसमें काम करने वाले लोगों पर पूरे ऑफिस के लोगों का मैनेजमेंट होता है। इसके लिए आपके पास अच्छा व्यक्तित्व, अच्छी तरह बात करने की क्षमता और रिश्ते बनाने की कला का होना बेहद जरूरी है।

स्पेशलाइज्ड एमबीए

कुछ इंस्टिट्यूस प्लेसमेंट्स को ध्यान में रखकर कोर्स ऑफर कर रहे हैं, जिनमें रूरल मैनेजमेंट, रिटेल मैनेजमेंट, टेलिकॉम मैनेजमेंट, इंश्योरेंस मैनेजमेंट, फॉरिन ट्रेड हैं।

इस तरह के हैं कोर्स में एमबीए में दो साल की डिग्री के अलावा, एक साल का फुल टाइम प्रोग्राम, पार्ट टाइम एमबीए, डिस्टेंस लर्निंग एमबीए जैसे विकल्प हैं हालांकि हर विषय की अपनी-अपनी खूबी और खामियां हैं।

ऑनलाइन मार्केटिंग में हैं काफी अवसर

तकनीक बदलने के साथ ही करियर के नये विकल्प भी सामने आ रहे हैं। आज हर जगह डिजिटलाइजेशन हो रहा है। ऐसे में अगर आप अच्छा पैसा कमाना चाहते हैं तो डिजिटल या ऑनलाइन मार्केटिंग के जरिये लाखों की कमाई कर सकते हैं। अगर आप इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो इन बातों को जानें। डिजिटल मार्केटिंग इंटरनेट, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिये की जाने वाली मार्केटिंग है। इसे ऑनलाइन मार्केटिंग भी कह सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग में सोशल मीडिया, मोबाइल, ईमेल, सर्च इंजिन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) आदि को टूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है।

वर्क प्रोफाइल

आज बड़ी से बड़ी कंपनी में डिजिटल मार्केटिंग स्पेशलिस्ट की बड़ी अहमियत होती है। ये डिजिटल मार्केटिंग टीम के अहम सदस्य होते हैं। डिजिटल मार्केटिंग मटेरियल को तैयार करने और उसे मेंटेन रखने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती है। ये कंपनी के लिए वेब बैनर ऐड, ईमेल्स और वेबसाइट्स बनाकर उनकी ब्रांडिंग करते हैं। इंटरनेट और डिजिटल टेक्नोलॉजी के लिए मार्केटिंग कैंपेन तैयार करते हैं, जिसे मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के जरिये लोगों तक पहुंचाया जाता है।

डिजिटल मार्केटिंग में जॉब प्रोफाइल्स

डिजिटल मार्केटिंग का दायरा बहुत बड़ा है। यहां आप इन पदों पर नौकरी पा सकते हैं- डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, कंटेंट मार्केटिंग मैनेजर, सोशल मीडिया मार्केटिंग स्पेशलिस्ट, वेब डिजाइनर, ऐप डेवलपर, कंटेट राइटर, सर्च इंजिन मार्केटर, इनबाउंड मार्केटिंग मैनेजर, एसईओ एग्जीक्यूटिव, कनवर्जन रेट ऑप्टिमाइजर आदि।

योग्यता

इस फील्ड में काम करने के लिए ग्रेजुएट होना आवश्यक है। जो छात्र मार्केटिंग, कम्युनिकेशन या फिर ग्राफिक डिजाइन में ग्रेजुएट हैं, वे डिजिटल मार्केटिंग में करियर बना सकते हैं।

जॉब

यहां वेब डिजाइनर, ऐप डिजाइनर और सोशल मीडिया मैनेजमेंट के जानकारों के लिए काफी अवसर हैं। इसके अलावा, डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी और ई-कॉमर्स कंपनियों में भी ढेर सारे अवसर हैं। इसके साथ ही वहीं देशी-विदेशी ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स, सर्विस प्रोवाइडिंग कंपनीज, रिटेल कंपनीज आदि भी अनेक अवसर उपलब?ध करा रही हैं।

काम की बात

डिजिटल मार्केटिंग की सबसे अच्छी बात यह है कि यह अभी उभरता हुआ कारोबार है। इसमें ऐसा दावा कोई नहीं कर सकता कि उसे सबकुछ मालूम है। आप अपनी रुचि को देखते हुए आगे बढ़ सकते हैं और मोटी कमाई कर सकते हैं। इसमें अपने को हमेशा ही अपडेट करते रहना पड़ता है।आने वाले समय के साथ ही इसमें पेशेवर और एक्सपर्ट लोगों की मांग बढ़ने वाली है। ऐसे में आप जरुरी योग्यता हासिल कर इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर पिछले 1 हफ्ते से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जबरदस्त कवरेज कर रहा है। बड़ी तेजी के साथ राजनीतिक घटना चक्र बदल रहा है। पहली बार कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा, कांग्रेस, देश का मीडिया, अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर उत्सुकता जाहिर कर रहा है। रात दिन मीडिया में अटकलों और कयासों के कारण अध्यक्ष पद का चुनाव मी?डिया की सुर्खियों में बना हुआ है। इससे आम आदमी की उत्सुकता कांग्रेस को लेकर बढ़ गई है। भाजपा ने सुनियोजित रणनीति के तहत गांधी परिवार को घेरने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव को निशाने पर लिया था। लेकिन भाजपा के इस निशाने का उल्टा वार खुद भाजपा पर हो गया है। पिछले 1 सप्ताह में गांधी परिवार के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव को नहीं लड़ने, और उसके बाद अशोक गहलोत, शशि थरूर,मलिकार्जुन खडगे, दिग्विजय सिंह, पवन बंसल को कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हो जाने, राजस्थान में मुख्यमंत्री पद को लेकर हुई खींचतान, सचिन पायलट,अशोक गहलोत, अजय माकन की सक्रियता, कांग्रेस हाईकमान की नहीं सुनी गई, बगावत जेसी कवरेज से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने कांग्रेस को निशाने पर लिया था। पिछले 1 सप्ताह से मीडिया का पूरा आकर्षण कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव बना हुआ है। इसका फायदा कांग्रेस को जाने-अनजाने में हो गया है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जो कांग्रेस और राहुल गांधी को कवर नहीं करता था। पिछले 1 सप्ताह से राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस का जिस तरह कवरेज इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हो रहा है।उससे कांग्रेस की ताकत सारे देश में बढ़ी है। भाजपा ने कांग्रेस की आपदा में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव और राजस्थान के मुख्यमंत्री पद को लेकर जो अवसर अपने ?लिये देखा था। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जिस तरीके से कांग्रेस को ?निशाने पर ले रहा था। जिस पर भाजपा की पूरी रणनीति टिकी हुई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच की रस्साकशी को लेकर बहुत बड़े परिवर्तन और राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव में कांग्रेस नेताओं के बागी हो जाने की जो आशा भाजपा को थी। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने उसी की तलाश में कांग्रेस नेताओं के इर्द गिर्द रखकर आग में घी डालने का काम ?किया। काल्पनिक संभावनाओं को लेकर जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक चैनल कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव और राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर तनातनी को रोचक बना रहे थे। सही मायने में उससे कांग्रेस को एक नई ऊर्जा मिली है। पिछले 1 सप्ताह से जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हर जगह कांग्रेस ही कांग्रेस दिख रही है। उससे ऐसा लगता है ?कि नकारात्मक पब्लिसिटी होते हुए भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने कांग्रेस को ताकतवर बना दिया है। भाजपा का मुकाबला अभी भी कांग्रेस से है। जनता को यह विश्वास भी होने लगा है। गांधी परिवार पर कांग्रेस नेताओं का विश्वास बना हुआ है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि पिछले 1 सप्ताह से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया राजस्थान में मुख्यमंत्री एवं दिल्ली में अध्यक्ष पद को लेकर घमासान करा रहा है। उसके बीच गांधी परिवार के (शहजादे)भाजपा के पप्पू कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा उसी मनोयोग से कर रहे हैं, जैसे उनके ऊपर इसका कोई असर नहीं पड रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव और भारत जोड़ो यात्रा ने कांग्रेस में नेताओं के बीच एकजुटता बढ़ाई है। यह स्पष्ट रूप से दिखने लगा है।

करीब आ रहे आरएसएस और मुसलमान...?

मुस्ताअली बोहरा

-क्या संघ करता है मुसलमानों पर भरोसा ?

-मुस्लिम प्रेम दिखावा या हकीकत

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानि पीएफआई के तकरीबन सैकड़ा भर ठिकानों पर छापे, हिजाब विवाद, भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद साहब पर की गई टिप्पणी, ज्ञानवापी मस्जिद मसले, गौ हत्या और मॉब लिचिंग, लव जिहाद, धर्मान्तरण, हिन्दु राष्ट्र की अवधारणा और उसके लिए माहौल तैयार करना, उत्तरप्रदेश में मदरसो के सर्वे, अन्य कुछेक मस्जिदों और एतिहासिक इमारतों की खुदाई की मांग आदि मसलों के बीच आरएसएस चीफ मोहन भागवत की अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी से मुलाकात ने सियासी पारा चरम पर पहुंचा दिया है। चूंकि, अखिल भारतीय इमाम संगठन का कार्यालय मस्जिद परिसर में है लिहाजा दिल्ली की मस्जिद में आएसएस प्रमुख का पहुंचना अपने आप में ही बड़ी बात है। इमाम उमर इलियासी के पिता जमील इलियासी की मजार पर भी संघ प्रमुख पहुंचे, साथ ही इमाम के परिजनों से भी मुलाकात की। इसके बाद दिल्ली के ही आजाद मार्केट के एक मदरसे का दौरा किया और यहां बच्चों से मुलाकात की। इसके बाद उमर अहमद इलियासी ने मीडिया से बात करते हुए मोहन भागवत को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि बता दिया। अब, पूरे देश में इसके अलग-अलग सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। भागवत के मस्जिद और मदरसे पहुंचने के पीछे जितने मुंह उतनी बातें वाली बात चरितार्थ हो रही है। कुछेक का तर्क है कि आरएसएस यूनिफॉर्म सिविल कोड और जनसंख्या नियंत्रण कानून के लिए माहौल तैयार कर रहा है। कुछ का कहना है कि अगले लोकसभा चुनाव के पहले संघ, मुसलमानों की नाराजगी को कम करने की कोशिश कर रहा है। जानकारों का ये भी मानना है कि कोविड के बाद से पूरे देश का व्यापार प्रभावित हुआ और इसके बाद जब पूरी व्यवस्था पटरी पर वापस आने को तैयार है तो ऐसे में देश में साम्प्रदायिक विवाद से फिर विकास की गति धीमी हो सकती है। इसके अलावा भारत की छबि को भी अन्तराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंच सकता है। अब जब कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है तो ऐसे में जरूरी है कि देश के भीतर सुकुन का माहौल हो। भागवत से पहले संघ के पांचवें सरसंघचालक कुप्पाहली सीतारमयया सुदर्शन भी इलियासी के परिजनों से मिलते रहे हैं लेकिन तब इतनी चर्चा नहीं हुई। भागवत इससे पहले भी मुस्लिम बुद्रिजीवियों से मुलाकात कर चुके हैं। वे जम्मू कश्मीर के मुस्लिम नेताओं से मिलने वाले हैं। संघ प्रमुख के इमाम से मिलने और मदरसे के दौरे से किसी को कोई एतराज नहीं है। इलियासी ने भी यही कहा कि वो पहली दफा किसी मस्जिद में आए हैं। धर्म अलग हो सकते हैं, पूजा के तरीके और परम्पराए अलग हो सकती है लेकिन सबसे बड़ा धर्म इंसानियत का है। हम सब भारतीय है और सभी मिलकर भारत को मजबूत करें। भागवत ने भी मदरसे के बच्चों से बात करते हुए यही कहा कि सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए। इन दोनों ने जो कहा वो कोई नई बात नहीं है, बल्कि सवाल ये है कि पिछले कुछ सालों में देश की फिजा में जो जहर घुला उसके पीछे जिम्मेदार कौन है। जब तक राजनीति और धर्म अलग-अलग थे तब तक सब कुछ ठीक-ठाक था लेकिन जब से राजनीति और धर्म के बीच घालमेल हुआ तब से चीजों को देखने का नजरिया बदल गया है।

किसने.....क्या कहा

एआईएमआईएम प्रमुख असुददीन ओवैसी का कहना है कि आरएसएस की विचारधारा क्या है ये सब जानते हैं। आवैसी का कहना है कि मुस्लिम समाज का बड़ा तबका अपने हक के लिए लड़ता है तो वह बुरा हो जाता है, उस पर शक किया जाता है। उन्होंने इस मुलाकात को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का असर बताया। इसी तरह कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा कि ये भारत जोड़ो यात्रा का ही असर है कि संघ प्रमुख इमामों से मिलने पहुंच गए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने तो भागवत को आमंत्रित करते हुए कहा कि वे राहुल गांधी की यात्रा में शामिल हों। सबसे तीखी प्रतिक्रिया बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती की आई। मायावती ने कहा कि मस्जिद और मदरसे जाकर उलेमाओं से मिलने, फिर खुद को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि कहलवाने के बाद क्या भाजपा मस्जिद और मदरसों के प्रति अपने नकारात्मक रूख में बदलाव लाएगी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने निशाना साधते हुए कहा कि मोहन भागवत जी अब आप अखलाक और बिलकिस बानों के परिवार से भी मिलें। बिलकिस बानों को न्याय दिलाएं। बलात्कारियों का सम्मान करने वालों के खिलाफ बयान दें जहां जहां निर्दोष मुसलमानों को आपके कार्यकर्ताओं ने सताया है उनसे माफी मांगें अन्यथा आपका मस्जिद-मदरसा जाना केवल दिखावा होगा।

यूपी की तर्ज पर अन्य राज्यों में हो सकता है मदरसों का सर्वे

देश की कुछे मस्जिदों और एतिहासिक इमारतों की खुदाई की मांग के बीच उत्तरप्रदेश सरकार ने मदरसों का सर्वे शुरू करा दिया है। यूपी सरकार का तर्क है कि वो मदरसे के छात्रों और शिक्षकों को शिक्षा के आधुनिक तरीकों से जोड़ने की कवायद कर रही है। सर्वे में मदरसों की फंडिंग, पाठयक्रम, मदरसों का नियंत्रण, मदरसे चलाने वाली संस्था, फर्नीचर-पेयजल आदि की सुविधा, आमदनी का जरिया जैसे सवालों के जवाब देने होंगे। दूसरी तरफ, इस सर्वे का विरोध शुरू हो गया है। एआईएमआईएम के सांसद असदुनी ओवैसी और जमीयत उलेमा ए हिंद के मौलाना सैयद अरशद मदनी ने मदरसों के सर्वे पर सवाल उठाते हुए आरएसएस के संगठन विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों के सर्वे कराने की मांग भी की है। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने भी सर्वे पर सवालिया निशान लगाए हैं। हालांकि, तमाम विरोधों के बावजूद भी मदरसों का सर्वे किया जा रहा है। यहां ये बताना लाजमी होगा कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सन 2017 में मदरसों के आधुनिकीकरण के तहत पोर्टल बनाकर उन्हें पंजीयन कराने की सुविधा दी थी। योगी सरकार ने मदरसों के सिलेबस में एनसीईआटी की किताबों को शामिल किया, यहां पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए लर्निंग एप भी लांच किया। इसके साथ ही मदरसों में गणित, अंग्रेजी, विज्ञान और हिन्दी आदि विषयों को अनिवार्य रूप से शामिल करने का निर्णय लिया गया है। दरअसल, उत्तरप्रदेश और असम सहित कुछेक अन्य राज्यों में अवैध मदरसों के संचालन, यहां से कथित रूप से आतंकियों की गिरफतारी ने मदरसों के सर्वे की जरूरत को बल दिया। उत्तरप्रदेश की तर्ज पर ही अन्य राज्यों में मदरसों के सर्वे की कवायद शुरू हो जाए तो कोई हैरानी की बात नहीं होगी। मध्यप्रदेश में भी मदरसों के सर्वे की मांग उठती रही है।

हिन्दु राष्ट्र की अवधारणा

दिल्ली की मस्जिद और मदरसे में पहुंचने वाले ये वही मोहन भागवत है जिन्होंने सन 2015 में गाजियाबाद में स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए भारत को हिंदु राष्ट्र घोषित किए जाने की आवाज बुलंद की थी। उन्होंने ये भी कहा था कि देश में पैदा होने वाला हर व्यक्ति हिंदु है चाहे वो किसी भी संप्रदाय या जाति का हो। इसके अलावा अन्य मौकों पर वे घर वापसी मुहिम पर भी मुहर लगाते हुए कह चुके हैं कि पूर्वजों के बारे बताकर लोगों को वापस सनातनी बनाया जाए, हालांकि इसके लिए किसी तरह की जोर जबरदस्ती न करने की बात भी वे कह चुके हैं। दूसरी तरफ, मुसलमानों के एक तबके के मन में ये भी शंका है कि संघ और भाजपा दोनों ही टारगेट मिशन पर लगे हुए हैं और गैर हिन्दुओं को टारगेट किया जा रहा है। मुसलमानों का ये मानना है कि जो देशविरोधी गतिविधि में शामिल है उसके खिलाफ किसी कार्रवाई से गुरेज नहीं है लेकिन बेनुगाहों को परेशान न किया जाए।

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमेर तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सदैव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता। भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात् भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है।

प्रियंका सिंह राज

स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर अभियान : एक हुंकार जिसने सागर को जीवन दान दिया

पृथ्वी की सतह का लगभग 71 प्रतिशत भाग जल से आच्छादित है, और महासागरों में पृथ्वी के कुल जल का लगभग 96.5 प्रतिशत भाग है। समुद्र को प्रदूषुत करने का अर्थ ,धरती के जीवन को नष्ट करनाढ़ आंकड़ों के अनुसार अगर प्लास्टिक की बोतल और बैग जैसी एकल उपयोग जैसी वस्तुएं समुद्र में फेंकना बंद नहीं हुई, तो 2050 तक दुनिया के महासागरों में मछलियों की तुलना में प्लास्टिक ज्यादा होगी। हर साल डेढ़ करोड़ टन से भी अधिक प्लास्टिक कचरा समुद्र में फेंका जाता है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि यह समुद्र के पारिस्थितिक तंत्र के साथ-साथ समुद्री जीवों को भी हानि पहुंचाता है। व्हेल मछली हो या फिर कोरल सभी की जिंदगी को खतरा है।

÷स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर÷ अभियान एक 75-दिवसीय तटीय सफाई अभियान जिसे 5 जुलाई को भारत के 7500 किमी लंबे समुद्र तट के साथ 75 समुद्र तटों को साफ करने के लिए शुरू किया गया था। अभियान का समापन ÷अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस÷, 17 सितंबर 2022 को हुआ और अभियान के अंतिम पड़ाव में , लोगो ने इस अभियान में समुद्र तटों की साफ़ करने का बीड़ा उठाया और 800 समुद्रीय तटो को साफ कियाढ़ु

अभियान की गतिविधियों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया था- पहले 25 दिनों में समुद्र और समुद्र तटों की स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने का लक्ष्य रखा गया था और अभियान, उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में लोगों को सूचित करने के लिए ,सोशल मीडिया का जमकर इस्तेमाल किया गया। नागरिकों के बीच जागरूकता का फैलने के लिए और अभियान को लोकप्रिय बनाने हेतु अभिनेता, मशहूर हस्तियां, गायक और सोशल मीडिया प्रभावित सक्रिय रूप से लगे हुए थे , ÷स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर अभियान÷ से जोड़ा गया ! उनके सन्देश इस अभियान में एक अलग छाप छोड़ीढ़ुअभियान में कॉलेज जाने वाले, स्कूली छात्रों, एनएसएस, एनसीसी स्वयंसेवकों सहित युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अभियान के अंतिम 25 दिनों में ÷कॉल टू एक्शन÷ पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसके तहत वैज्ञानिकों, सरकारी अधिकारियों, नागरिक समाजों के सदस्यों और आम लोगों द्वारा समुद्र तट की सफाई की गतिविधियाँ की गईं। विज्ञान प्रसार और पृथिवी विज्ञानं मैत्रायलय के वरिष्ठ वैज्ञानिक, और अन्य तटीय अनुसंधान वैज्ञानिक ने अपने निर्दिष्ट समुद्र तटों का दौरा किया और समुद्र तट की सफाई गतिविधि और मेगा तटीय सफाई कार्यक्रम सुनिश्चित किया ,ताकि 17 सितंबर को, लोगों की अधिकतम भागीदारी के साथ सुचारू रूप निचित की जाये यह सुनिश्चित करने के लिए कि स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर अभियान सोशल मीडिया और अन्य मीडिया प्लेटफार्मों में एक व्यापक पदचिह्न चिह्नित कर सके, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पृथ्वी भवन में एक मीडिया कण्ट्रोल कक्ष स्थापित किया गया था। ÷स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर÷/÷स्वच्छ तट सुरक्षित सागर,÷ अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस हैशटैग और सोशल मीडिया पर उल्लेखों के साथ, राष्ट्रव्यापी प्रमुख तटीय सफाई अभियान पूरे जोरों पर था। हमने देखा, वासुकी, स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर शुभंकर, और समर्पित समुद्री योद्धा समुद्र तट की सफाई की। लोगो में स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर अभियान की उत्साही भागीदारी देखी गयीढ़ु यह अभियान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से राज्य के हर हिस्से में पहुंचा। स्वच्छ सागर - सुरक्षित सागर अभियान के माध्यम से तटीय जल, तलछट, बायोटा और तटरेखा जैसे विभिन्न मीट्रिक में वैज्ञानिक डेटा और समुद्री कचरे पर जानकारी एकत्र करने के लिए अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को बढ़ाने पर एक बड़ा जोर दिया गया था। जागरूकता फैलाने के लिए और आम लोगों के लिए 17 सितंबर 2022 को समुद्र तट की सफाई गतिविधि के लिए स्वेच्छा से संलग्न होने और पंजीकरण करने के लिए भारत में एक मोबाइल ऐप - इको मित्रम÷ लॉन्च किया गया था। डॉ जितेंद्र सिंह एक प्रेस वार्ता में डीप ओशन प्रोजेक्ट को प्रमुखता से प्रकाश डालते हुआ कहा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा डीप ओशन मिशन लॉन्च किया गया है। डीप ओशन मिशन, भारत सरकार की ब्लू इकॉनमी पहल का समर्थन करने हेतु एक मिशन मोड प्रोजेक्ट है। इससे पूर्व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने ब्लू इकॉनमी पॉलिसी का मसौदा भी तैयार किया गया थाढ़ु ब्लू इकॉनमी आर्थिक विकास, बेहतर आजीविका और रोज़गार एवं स्वस्थ महासागर पारिस्थितिकी तंत्र के लिये समुद्री संसाधनों का सतत् उपयोग है।

भारत जोड़ो यात्रा के बीच बिखराव की ओर कांग्रेस

सूडोकु नवताल- 6213 — ★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6212 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

सुरेश हिन्दुस्थानी

राजस्थान में मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर छिड़ी आपसी लड़ाई के बीच राज्य में कांग्रेस के भविष्य के सामने एक बड़ा प्रश्नचिन्ह उपस्थित हो गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थक विधायकों ने नेतृत्व पर राजनीतिक दबाव बनाने का जो खेल खेला है, उसका राजनीतिक दृष्टिकोण से अध्ययन किया जाए तो यही प्रमाणित करता है कि यह अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा है। इससे यह भी संदेश जा रहा है कि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाने को लेकर जिस प्रकार से गहलोत समर्थक विधायकों ने अपने त्याग पत्र दिए हैं, उससे प्रथम दृष्टया यही लगता है कि ये विधायक कांग्रेस के कम गहलोत के ज्यादा हैं। विधायकों का यह नाटक निश्चित ही गहलोत के संकेत पर ही चल रहा होगा। इसके अलावा केन्द्र की ओर से भेजे गए दो पर्यवेक्षक भी राजस्थान में उत्पन्न हुए राजनीतिक संकट को दूर करने में असमर्थ ही रहे। हालांकि पार्टी अनुशासन को ध्यान में रखते हुए यही कहा जा सकता है कि किसी भी स्थिति में गहलोत समर्थक विधायकों को त्याग पत्र नहीं देना चाहिए था। जब संभावित राष्ट्रीय अध्यक्ष के समर्थक ही विवाद की स्थिति बनाने का प्रयास कर रहे हों, तब अन्य से क्या अपेक्षा की जा सकती है। इस विवाद की जड़ यही है कि गहलोत अपना मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे हैं, कांग्रेस का नहीं। अगर कांग्रेस के हाथ में सत्ता रखना है तो फिर सचिन पायलट तो जन्मजात कांग्रेसी हैं। उनको सत्ता की बागडोर देने में कोई आपत्ति नहीं होना चाहिए। भारत में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी के नेतृत्व में एक तरफ भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ राजस्थान में कांग्रेस में बिखराव की ओर कदम बढ़ाती दिख रही है। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि राजस्थान की लड़ाई के मुख्य सूत्रधार के रूप में जो नेता सामने आए हैं, उसी को कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने की कवायद की जा रही है। अशोक गहलोत समर्थक विधायकों का यह कदम कांग्रेस पार्टी में एक और बिखराब की घटना को जन्मित कर सकता है। सिद्धांत की बात यह है कि राजस्थान में अशोक गहलोत के बाद कांग्रेस के सबसे प्रभावी नेता सचिन पायलट ही हैं, इसके आधार पर लोकतांत्रिक तरीका यही कहता है कि पायलट को मुख्यमंत्री की कुर्सी मिलना चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि अशोक गहलोत का पूरा सोच लोकतांत्रिक न होकर पूर्वाग्रह से ग्रसित है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया है कि मैं किसी गद्दार के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं छोड़ सकता। इतना ही नहीं इससे पूर्व अशोक गहलोत मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ना ही नहीं चाह रहे थे, लेकिन जब राहुल गांधी ने एक पद, एक व्यक्ति के सिद्धांत को प्रतिपादित किया, तब अशोक गहलोत ने इस सिद्धांत को स्वीकार तो कर लिया, लेकिन उनकी नजर मुख्यमंत्री के पद से अलग नहीं हो पा रही है। वे अपने किसी समर्थक को ही मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे हैं। हालांकि स्वतंत्र भारत में कांग्रेस के अंदर चौथी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने जा रहा है, लेकिन जिस प्रकार के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वह चुनाव के लिए अनुकूल वातावरण बनाने का काम करेंगे, इसमें संशय है। अभी से यह कहा जाने लगा है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जिसे चाहेंगे, वही कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा। इस दृष्टि से राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव महज एक दिखावा ही कहा जाएगा, क्योंकि गांधी परिवार की दृष्टि में अध्यक्ष तय हो चुका है। यहां सवाल यह भी पैदा होता है कि जब अशोक गहलोत कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाएंगे, तब क्या सचिन पायलट को कांग्रेस नेता के रूप में स्वीकार कर पाएंगे। अब राजस्थान में कांग्रेस के अंदर संभावित स्थिति यह बनती दिखाई दे रही है कि या तो सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर वे कांग्रेस को अलविदा कर सकते हैं। दोनों ही स्थितियां अशोक गहलोत की राह में अवरोधक की स्थिति पैदा कर सकती हैं, क्योंकि ऐसी स्थिति में राजस्थान का रण जीतना कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती बनेगी। ऐसे में प्रश्न यह भी आता है कि जो कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है, क्या उसे अब कांग्रेस जोडने के लिए प्रयास नहीं करने चाहिए। क्योंकि जब कांग्रेस में ही एकता नहीं है तो फिर इस प्रकार की यात्राएं निकालने का कोई अर्थ भी नहीं है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने वर्तमान कार्यकाल में सचिन पायलट को हमेशा किनारे करने का प्रयास ही किया है, वे अब भी पायलट की राह में रोड़ा बन रहे हैं। वे अब भी वैसा ही कर रहे हैं। उन्होंने अपनी भूमिका लेकर संशय भी उपस्थित कर दिया है कि वह अपनी राजनीति किस प्रकार से करेंगे।

क्या होगा सीबीआई की जांच से तारीख पर तारीख ?

सनत जैन

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने नर्सिंग काउंसिल और नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता संबंधी कार्यों में जो अनियमितता और भ्रष्टाचार किया गया है। हाईकोर्ट ने मप्र मेडीकल साइंस वि.वि.म.प्र. नर्सेस रिजस्ट्रेशन काउंसिल और इंडियन नर्सिंग काउंसिल के रिकार्ड की जांच कर 3 माह के अंदर रिपोर्ट देने के आदेश दिये हैं। हाईकोर्ट के आदेश से सीबीआई जांच करेगी। कई माहों तक यह मामला जांच में लंबित रहेगा। हजारों छात्र-छात्राओं का भविष्य अंधकार मय होगा। सीबीआई की रिपोर्ट आने के बाद हाईकोर्ट फिर मामले की सुनवाई करेगी। जिम्मेदार भ्रष्ट अधिकारी नियम कानून और एक दूसरे के ऊपर ठीकरा फोड़ कर अपने आप को बचाने का प्रयास करेंगे। इसी तरीके से भ्रष्टाचार होता रहेगा। व्यापम घोटाले की जांच भी सीबीआई ने की थी। इतने वर्षों बाद क्या हुआ, यह सभी जानते हैं। जो जिम्मेदार अधिकारी थे, वह आज भी खुले घूम रहे हैं। जो भी गाज गिरी, वह परीक्षार्थियों और उनके परिवार जनों पर गिरी जिनकी कोई गलती नहीं थी। वह भ्रष्ट व्यवस्था और सरकार की लाख फीताशाही के शिकार हुए थे। ग्वालियर खंडपीठ ने 36 नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता के संबंध में नर्सिंग काउंसिल की भूमिका, सरकार की भूमिका, डीएमई की भूमिका और मध्य प्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी की भूमिका पर आश्चर्य व्यक्त किया । संस्थाओं की कार्यवाही को देखने के बाद हाईकोर्ट को जिन जिम्मेदार अधिकारियों ने लापरवाही बरती है। उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करके हाईकोर्ट को मैसेज देना था। नर्सिंग काउंसिल एक चपरासी के भरोसे चल रही है। सरकार चुपचाप तमाशा देख रही है। जिम्मेदार अधिकारी आंख बंद करके गांधीजी के तीन बंदरों की तरह बैठे हुए हैं। हजारों छात्रों का भविष्य, जिन्होंने नर्सिंग कॉलेज की मान्यता देखकर एडमिशन लिया था। अब वह यहां से वहां चक्कर काट रहे हैं। आर्थिक और मानसिक रूप से तो उन्हें नुकसान हुआ ही है। इसके साथ-साथ कीमती वर्ष भी बर्बाद हो गया है। उनके डॉक्यूमेंट नर्सिंग कॉलेजों में जमा है। जब तक सीबीआई की जांच चलती रहेगी, सब कुछ ठहरा हुआ होगा। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान छात्र-छात्राओं का हो रहा है। सीबीआई जांच हो, इससे कोई इंकार नहीं है। लेकिन छात्र छात्राओं को भी न्याय मिले। आगे इस तरह की कोई गड़बड़ी ना हो। इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। तब लोगों का भरोसा न्यायपालिका के ऊपर पुख्ता होगा। सीबीआई की जांच से अब छात्र-छात्राओं और जिम्मेदार लोगों को भी डर लगने लगा है। कई वर्षों तक चलने वाली इस जांच में जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही नहीं होती है।

मलाइका और प्रियंका की स्टाइलिस्ट थीं येशा रूघानी

येशा रूघानी ने साल 2017 में अपने ऐक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, लेकिन उन्हें पॉप्युलैरिटी मिली 2018 में आए टीवी शो 'मुस्कान' से। इसमें येशा की शरद मल्होत्रा के साथ जोड़ी थी और दोनों को खूब पसंद किया गया था।

येशा रूघानी ने तो भी ऐक्ट्रेस बनने का सपना ही नहीं देखा था। वह तो एक फैशन स्टाइलिस्ट थीं। क्या आप जानते हैं कि ऐक्ट्रेस बनने से पहले येशा रूघानी प्रियंका चोपड़ा और मलाइका अरोड़ा की स्टाइलिस्ट थीं? येशा ने इन दो ऐक्ट्रेसेस के अलावा तमन्ना भाटिया, आलिया भट्ट, माधुरी दीक्षित और ईशा गुप्ता जैसी ऐक्ट्रेसेस को स्टाइल किया।

येशा रूघानी ने फैशन कम्युनिकेशन की पढ़ाई की थी और उसके बाद उन्होंने मशहूर स्टाइलिस्ट अमी पटेल के साथ बतौर इंटर्न काम करना शुरू कर दिया। अपनी इंटर्नशिप के दौरान येशा रूघानी को कई ऐक्ट्रेसेस को करीब से जानने का मौका मिला। येशा रूघानी ने बताया था कि वह माधुरी से लेकर आलिया और प्रियंका चोपड़ा जैसी ऐक्ट्रेसेस की वैनिटी वैन के बाहर खड़ी रहती थीं और सोचती थीं कि काश एक दिन उनकी भी खुद की वैनिटी वैन हो। येशा रूघानी का होम डेकॉर का अपना ब्रांड भी है, जिसकी वह कभी-कभी प्रदर्शनी लगाती थीं और ऐसी एक प्रदर्शनी के दौरान उनकी किस्मत खुली व ऐक्टिंग की दुनिया में आने का मौका मिल गया। येशा रूघानी ने बताया था, 'एक बार मेरे पास एक बीमार महिला आई तो मैंने उनकी मदद के लिए हाथ बढ़ाया। मैंने उससे कहा कि मैं उसे उसकी बेटी या किसी फैमिली मेंबर के पास ले जाऊंगी। इसके बाद मेरी मुलाकात उस महिला की बेटी से हुई जो खुशकिस्मती से मेरे डेब्यू शो की प्रड्यूसर थी।

येशा रूघानी की किस्मत 4 दिनों में ही पलट गई। जब उस लड़की ने उन्हें डेब्यू शो के लिए ऑडिशन देने के लिए कहा तो पहले तो येशा को यकीन ही नहीं हुआ। लेकिन वह मान गईं और फिर तो उनकी दुनिया ही बदल गई। येशा को 'जीत गई तो पिया मोरे' शो मिल गया और वह लीड हिरोइन बन गईं। येशा रूघानी पीसीओडी नाम की बीमारी से पीड़ित हैं और इस कारण उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ा।

हर किरदार ने मुझे कुछ न कुछ सिखायाः विद्या बालन

अपने दमदार अभिनय और भूमिकाओं से दर्शकों को हमेशा मंत्रमुग्ध करने वाली अभिनेत्री विद्या बालन ने इस बारे में खुल कर बात की है। वह कहती हैं कि अब तक उनके द्वारा निभाए गए हर किरदार ने उन्हें शिक्षित किया है और उनके लिए कुछ बदला है। जब से उन्होंने 2005 में परिणीता के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की, विद्या ने भूल भुलैया, नो वन किल्ड जेसिका, द डर्टी पिक्च र, पा, कहानी, इश्किया, मिशन मंगल, तुम्हारी सुलु और शकुंतला देवी जैसी फिल्मों में अपने गतिशील चित्रण के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन किया है। उनकी नवीनतम रिलीज शेरनी में उन्होंने एक ईमानदार वन अधिकारी की भूमिका निभाई हैं, जो पितृसत्तात्मक समाज द्वारा निर्धारित सामाजिक बाधाओं और अपने विभाग के भीतर अभावग्रस्त रवैये से जूझ रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने चरित्र से कुछ हासिल करती हैं या वे उन्हें किसी भी तरह से शिक्षित करते हैं, विद्या ने कहा, हां बिल्कुल। यह ऐसा है जैसे आप किसी अन्य व्यक्ति के साथ बातचीत करने के बाद हमेशा कुछ वापस पाते हैं। यह वही है। आप इस व्यक्ति के रहते हैं। डेढ़ महीने या दो या शायद अधिक के लिए जीवन क्योंकि आप उससे पहले तैयारी शुरू कर देते हैं। 42 वर्षीय अभिनेत्री का कहना है कि किसी किरदार से प्रभावित नहीं होना मुश्किल है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि, इसलिए, मैं लगभग चार महीने तक एक ही किरदार के साथ रहती हूं। इसलिए, उस चरित्र को आप पर प्रभाव नहीं पड़ने देना मुश्किल है। मुझे लगता है कि कभी-कभी, आप यह स्पष्ट कर सकते हैं कि पात्रों ने आपके जीवन को कैसे छुआ या आपको बदल दिया और कभी-कभी आप नहीं कर सकते मेरे लिए यह हमेशा बदलता रहता है।

यूं कर रही हैं पापा का नाम रोशन एरिका पैकर्ड

हिंदी फिल्मों में विलन का रोल प्ले करने वाले गैविन पैकर्ड की बेटी एरिका पैकर्ड ग्लैमर की दुनिया में एक चमकता चेहरा हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है।सबसे पहले तो हम आपको एरिका पैकर्ड के पिता यानी ऐक्टर गैविन पैकर्ड के बारे में बताते है। 90 के दशक में इस ऐक्टर ने कई बॉलिवुड फिल्मों में काम किया, जिनमें 'ये है जलवा', 'सड़क', 'मोहरा', 'तड़ीपार' और 'चमत्कार' जैसी फिल्में शामिल हैं। गैविन पैकर्ड जब स्क्रीन पर आते थे तो एक खूंखार विलन के रूप में उनका रूप देख दर्शक भी डर जाते थे। पर रियल लाइफ में गैविन बेहद कूल और विनम्र स्वभाव के थे। बहुत ही कम लोगों को पता होगा कि गैविन पैकर्ड एक ऐक्टर ही नहीं बल्कि नैशनल अवॉर्ड विनिंग बॉडीबिल्डर भी थे। गैविन पैकर्ड ने संजय दत्त और सुनील शेट्टी के अलावा सलमान खान के बॉडीगार्ड शेरा तक को ट्रेनिंग दी थी। गैविन पैकर्ड ने बॉलिवुड ही नहीं साउथ की फिल्मों में भी काम किया था। भले ही फिल्मों में उनका रोल छोटा होता था, पर वह उनके दम पर अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे। लेकिन अफसोस साल 2012 में गैविन पैकर्ड का सांस संबंधी एक बीमारी के चलते निधन हो गया। उनकी दो बेटियां हैं-एरिका और कैमिली पैकर्ड। एरिका पैकर्ड फैशन और मॉडलिंग वर्ल्ड का जाना-माना नाम हैं। भले ही एरिका फिल्मी बैकग्राउंड से रही हों, लेकिन उन्होंने अपने लिए एक अलग रास्ता चुना। वह साइकॉलजी के फील्ड में जाना चाहती थीं, लेकिन किस्मत एरिका को ग्लैमर और फैशन की दुनिया में ले आई। एरिका पैकर्ड एक मॉडल हैं और वह इंस्टाग्राम पर अकसर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इंस्टग्राम पर उनके अब तक 180 के फॉलोअर्स हैं। एरिका इंडिया के टॉप डिजाइनर्स के लिए रैंपवॉक कर चुकी हैं और इतना ही नहीं वह दुनिया भर के टॉप मॉडलिंग एजेंसी के साथ भी काम कर चुकी हैं। एरिका पैकर्ड ने कई विज्ञापनों में काम किया, जिनमें से एक में वह रणबीर कपूर के साथ भी नजर आईं। एरिका अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चाओं में रहीं। बताया जाता है कि एरिका पैकर्ड ने ने बॉलिवुड ऐक्टर शक्ति कपूर के बेटे सिद्धांत कपूर को करीब एक दशक तक डेट किया, लेकिन 2014 में उनका ब्रेकअप हो गया।

वॉल सिट : जानिए कैसे की जाती है यह एक्सरसाइज और इससे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें

वॉल सिट एक्सरसाइज दीवार के सहारे बैठकर की जाती है और यह जांघों, कूल्हों, पिंडलियों, मांसपेशियों और पेट के लिए बहुत ही लाभदायक मानी जाती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज पैरों की दर्द सहने की क्षमता को बढ़ाकर उन्हें मजबूती के साथ-साथ अच्छा आकार देने में भी मदद करती है। आइए आज आपको यह एक्सरसाइज करने का सही तरीका, इसके फायदे और इससे जुड़ी कुछ सावधानियां और महत्वपूर्ण टिप्स बताते हैं।

वॉल सिट एक्सरसाइज करने का तरीकाः सबसे पहले एक चिकनी दीवार से पीठ के सहारे सटकर सीधे खड़े हो जाएं। अब अपने दोनों पैरों को दीवार से लगभग 1.5 फुट की दूरी पर रखें और दोनों हाथों को सामने की ओर सीधा कर लें। इसके बाद धीर-धीरे अपने पैरों को घुटनों से मोड़कर अपने कूल्हों को थोड़ा नीचे की ओर लाएं। इस स्थिति में आप एक कुर्सी पर बैठे हुए दिखाई देंगे। 20 से 30 सेकेंड इस स्थिति में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

सावधानियां

एक्सरसाइज करते समय जरूर बरतें ये सावधानियांः अगर आप

अर्थराइटिस से ग्रस्त हैं या फिर आपके किसी पैर में मोच आई है तो इस एक्सरसाइज को न करें। अगर आपके कंधों में चोट लगी हो या दर्द हो, तब भी इस एक्सरसाइज को न करें। मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को इस एक्सरसाइज का अभ्यास नहीं करना चाहिए। घुटनों के पुराने दर्द से पीड़ित व्यक्तियों को वॉल सिट एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। अगर पेट में किसी तरह की तकलीफ है तो भी वॉल सिट एक्सरसाइज न करें।

फायदे

वॉल सिट एक्सरसाइज के नियमित अभ्यास से मिलने वाले फायदेः वॉल सिट एक्सरसाइज थाईज के पीछे वाली मांसपेशियों यानि हैमस्ट्रिंग के लिए बहुत ही लाभदायक होती है। यह एक्सरसाइज मोटापे से छुटकारा दिलाने में भी सहायक है। शरीर के संतुलन को बेहतर बनाने में भी यह एक्सरसाइज काफी मदद कर सकती है। इस एक्सरसाइज से पीठ की कई तकलीफों को ठीक किया जा सकता है। रोजाना इस एक्सरसाइज को करने से कूल्हों का लचीलापन बढ़ता है। यह एक्सरसाइज पैरों और कूल्हों की मजबूती के लिए भी काफी अच्छी होती है।

टिप्स

एक्सरसाइज से जुड़ी खास टिप्सः यह एक्सरसाइज करते समय अपनी पीठ को न मोड़ें और इसे एकदम सीधा रखें। इसी तरह अपने सिर, कंधे, पीठ और कूल्हों पर अधिक दबाव न डालें। शुरूआत में इस एक्सरसाइज का अभ्यास अधिक समय तक न करें और धीरे-धीरे अपना समय बढ़ाएं। अगर आप इस एक्सरसाइज का अभ्यास पहली बार करने जा रहे हैं तो किसी विशेषज्ञ की निगरानी में करें। अभ्यास के दौरान पैरों या पीठ में दर्द होने लगे तो इस एक्सरसाइज को तुरंत छोड़ दें।

खुद पर भरोसा नहीं होने से मैंने एक बार अभिनय छोड़ने का सोचा थाः तान्या मानिकतला

मीरा नायर की वेब सीरीज 'द सूटेबल बॉय' में तान्या मानिकतला ने अपने अभिनय और खूबसूरती से सबका ध्यान खींचा और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया के प्रतिभागियों में से एक के रूप में चुने जाने से लेकर संतोष सिवन की 'मुंबईकर', आगामी ओटीटी एंथोलॉजी 'फील्स लाइक इश्क' और वेब सीरीज 'चुटजपाह' में भूमिकाएं हासिल करने तक तान्या मानिकतला के अभिनय में बहुत कुछ दमखम है.

हालांकि उन्होंने सभी को ये कहते हुए चौंका दिया कि उसने अपने पहले शो 'फ्लेम्स' के बाद एक समय पर अभिनय छोड़ने का फैसला कर लिया था. उन्होंने बताया यह मेरे लिए खुद अवास्तविक लगता है कि मैंने वास्तव में कुछ भी होने की उम्मीद नहीं की थी. इसलिए, मेरे करियर के इस चरण में, बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया हो रहा है और मुझे उन 10 प्रतिभागियों में से एक के रूप में चुना जा रहा है जहां मुझे बातचीत करने का मौका मिलेगा और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सलाह मिलेगी! मैं भाग्यशाली महसूस करती हूं और मुझे लगता है कि मैं चमत्कारों में ज्यादा विश्वास करती हूं.

तान्या ने अपने अभिनय की शुरूआत वेब सीरीज 'फ्लेम्स' से की, जब वह कॉलेज में थी . शो के रिलीज होने के बाद उन्होंने सोचा कि हर कोई उन्हें ऑफर से भर देगा और वह बॉलीवुड स्टार बन जाएगी. उन्होंने याद किया मैं दिल्ली से हूं, मुझे यह नहीं पता कि मनोरंजन का व्यवसाय कैसे काम करता है. इसलिए, मैंने सोचा कि एक शो करने से मुझे काम, फिल्में आदि की श्रृंखला मिल जाएगी. मैं वास्तव में भोली थी. मैं ऑडिशन देती रही और अस्वीकृति का सामना करना शुरू कर दिया.

अभिनेत्री ने साझा किया यही वह समय था जब मैंने खुद पर संदेह करना शुरू कर दिया और अभिनय छोड़ने के बारे में सोचा. मुझे लगता है कि किसी भी उभरते अभिनेता या कलाकार के लिए, आत्म-संदेह एक बड़ा मुद्दा हो सकता है जो सभी आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास को तोड़ सकता है. आपको लगता है कि आपका सपना टूट गया है. लोग कर सकते हैं अपने चेहरे पर कठोर रहें जब वे आपको एक ऑडिशन में अस्वीकार करते हैं . मैं शिकायत नहीं कर रही हूं, लेकिन मैं कह रही हूं कि मैं युवा थी, भोली थी, अभी भी कॉलेज में थी और इसके लिए तैयार नहीं थी.

कुछ समय के लिए, उन्होंने पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया, एक विज्ञापन एजेंसी में एक कॉपीराइटर के रूप में नौकरी की और अभिनय में बड़ा करने के अपने सपने को छोड़ दिया. तान्या ने कहा मैं अपने दोस्त की आभारी रहूंगी जिसने मुझे 'द सूटेबल बॉय' के ऑडिशन के लिए जाने के लिए प्रेरित किया और शुरू में ऑडिशन के बाद मुझे चयन कॉल मिलने की उम्मीद नहीं थी. बल्कि मैं उच्च अध्ययन के लिए मेलबर्न जाने के लिए तैयार थी. मेलबर्न जाने से पंद्रह दिन पहले, मुझे बताया गया था कि मीरा (नायर) दी अंतिम ऑडिशन देना चाहती है और वह दिल्ली आ रही है.

उन्होंने हस्ताक्षर किए आखिरकार, मुझे वह भूमिका मिली और मीरा दी ने मुझे उस आत्मविश्वास को बनाने में मदद की जो मैंने पहले सभी अस्वीकृति के कारण खो दिया था. उन्हेंने मुझे विश्वास दिलाया कि अगर मुझे खुद पर विश्वास है, अगर मेरा कोई सपना है और उस पर काम करना है, तो कोई नहीं है जिस तरह से मैं इसे हासिल नहीं करूंगी।

केले का छिलका भी होता है सेहत के लिए फायदेमंद, जानें इसके सेवन के लाभ

केला एक गुणकारी फल है जो न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी होता है। इसका सेवन हृदय, मस्तिष्क, पाचन और हड्डियों आदि के रोगों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते है केला ही नहीं बल्कि इसके छिलका भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। चलिए फिर आज आपको केले के छिलके के फायदे बताते हैं जिसके बाद आप इसे फेंकने की बजाय इसका इस्तेमाल करना पसंद करेंगे।

मुंहासों से दिलाता है छुटकारा

मुंहासे त्वचा से जुड़ी एक समस्या है जिनके कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। हालांकि केले के छिलके आपकी इस परेशानी को जल्द दूर करने में मदद कर सकते हैं। एक शोध के मुताबिक, केले के छिलके में एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। ये गुण मुंहासे पैदा करने वाले कीटाणुओं को नष्ट करके त्वचा को फिर से ठीक करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए केले के छिलके को प्रभावित जगह पर रोजाना कुछ सेकेंड रगड़ें।

दांतों को चमकाने में करता है मदद

खिलखिलाती मुस्कान के लिए दांतों का साफ और सुंदर होना जरूरी है और इसके लिए आप केले के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक शोध के अनुसार, इसमें पोटैशियम, मैग्नीशियम और मैंगनीज की अच्छी मात्रा माई जाती है जो दांतों को सफेद और चमकदार बनाने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए रोजाना टूथब्रश करने के बाद केले के छिलके को अपने दांतों पर घिसें।

दर्द से दिलाता है राहत

अगर आपको शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द है तो इससे राहत पाने के लिए भी आप केले के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक शोध के मुताबिक, केले के छिलके में दर्द निवारक और सूजन संबंधित विकारों को दूर करने के गुण मौजूद होते हैं। इसी कारण माना जाता है कि दर्द से प्रभावित जगह पर केले के छिलके को बांधने से कुछ हद तक आराम मिल सकता है।

शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में करता है मददः केले के छिलकों का सेवन करने से शरीर अंदर से पूरी तरह से साफ हो जाता है। दरअसल, केले के छिलकों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण शामिल होते हैं जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकाल कर शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह लिवर और किडनी को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। इसलिए अपनी डाइट में केले के छिलकों को शामिल करना अच्छा विचार हो सकता है।

कॉमेडी मेरे लिए एक बहुत ही दिलचस्प शैली रही हैः प्रतीक गांधी

लोकप्रिय श्रृंखला स्कैम 1992 द हर्षद मेहता स्टोरी में हर्षद मेहता की भूमिका निभाने वाले अभिनेता प्रतीक गांधी, अपनी आगामी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म अतिथि भूतो भव के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता का कहना है कि एक शैली के रूप में कॉमेडी उनके लिए बहुत दिलचस्प रही है और वह इसकी विभिन्न परतों को तलाशने के लिए उत्सुक हैं। एक कॉमेडी फिल्म में काम करने के बारे में बात करते हुए प्रतीक ने कहा, मैंने कई अलग-अलग शैलियों में काम किया है, खासकर मंच पर कॉमेडी। कॉमेडी हमेशा मेरे लिए एक बहुत ही दिलचस्प शैली रही है। मैं

हमेशा इसके प्रति इच्छुक था। 41 वर्षीय स्टार, जो जल्द ही आगामी मर्डर मिस्ट्री सीरीज द सिक्स सस्पेक्ट्स में नजर आएंगे, वह कॉमेडी की परतों को तलाशने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि कॉमेडी में स्लैपस्टिक और व्यंग्यात्मक कॉमेडी या डार्क जैसी कई परतें हैं, बहुत सी चीजें हैं और मैं इसे तलाशने के लिए उत्सुक हूं। हार्दिक गज्जर के निर्देशन में बनी इस फिल्म की शूटिंग मुंबई और मथुरा में हुई है। अभिनेता को अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ एक नई फिल्म में स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए भी देखा जाएगा, जिसका शीर्षक अस्थायी रूप से वो लड़की है कहां है।

जनपद पंचायत विजयपुर में नही हो रहा है सूचना के अधिकार का पालन

संबंधित अधिकारी नहीं देते जवाब गोल गोल घुमा रहे बार-बार

जनपद सीईओ बोलते हैं मंत्री जी हमारे घर के हैं

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

विजयपुर- खबर एक बार फिर विजयपुर जनपद से है जहां पर लगातार करोड़ के घोटाले में नजर आने वाले जनपद सीईओ संबंधित थाना प्रभारी और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी जिनको बार-बार एक ही सवाल का जवाब देना है वह नहीं दे रहे घोटाले करने वाले कैला देवी ट्रेडर्स मित्तल ट्रेडर्स के बारे में जानकारी मांगने पर भी संबंधित प्रशासनिक अधिकारी जवाब नहीं देते जबकि केन्द्र सरकार द्वारा शासन प्रशासन में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से वर्ष 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम लागू किया गया है जिससे आम नागरिक को शासन द्वारा चलायी गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी एवं उन पर अधिकारियों द्वारा किए जा रहे अमल की

जानकारी मिल सके। लेकिन श्योपुर जिले की जनपद पंचायत विजयपुर में अधिकारियों की लापरवाही के चलते इस नियम का पालन नहीं किया जा रहा जिससे आम नागरिको को ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी नही मिल पा रही है। दिनांक 03.08.2022 को सूचना के अधिकार के तहत एक आवेदन पत्र जनपद कार्यालय विजयपुर की ओर भेजा था जिसमें पुष्पांजलि टीम के द्वारा कुछ फर्म संचालकों के द्वारा विभिन्न पंचायतों माध्यम से भुगतान हेतु प्रस्तुत मूल बिलों की छायाप्रति मांगी थी की किन्तु मुझे दो माह के बाद भी आज दिनांक तक कोई जानकारी उपलब्ध नही करायी गई है इससे पूर्व भी कई लोगों द्वारा इन्ही फर्म संचालकों के बिलों की छायाप्रति जनपद कार्यालय से चाही गई थी किन्तु जनपद

कार्यालय द्वारा जानकारी उपलब्ध न कराते हुए गोल-मोल जबाव भेजा जा रहा है एक आवेदन के जबाव में तो लिखा गया था कि ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से बिलों की प्रति प्राप्त कर सकते है। मुझे बड़ा आश्चर्य है कि जनपद के अधिकारियों को यह भी नही मालूम कि ऑनलाईन पोर्टल वर्ष 2018 से प्रारम्भ हुआ है तथा आवेदक द्वारा चाही गई जानकारी वर्ष 2014 से है। इन सब बातों से यह स्पष्ट हो रहा है कि फर्म संचालकों के काले कारनामों पर पर्दा डालने के लिए ही जनपद पंचायत विजयपुर के कर्मचारी उनके बिलों की छायाप्रति उपलब्ध नही करा रहे है क्योंकि इन सब कारनामों में जनपद के कर्मचारियों का हिस्सा भी निर्धारित है। विजयपुर थाना प्रभारी को बार-बार फोन लगाने के बावजूद भी फोन नहीं उठाते और ना ही किसी प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराते इस विषय पर जनपद सीईओ से बात करने पर वह किसी भी प्रकार का समाधान वाला जवाब नहीं देते और कहते हैं की मुझे नौकरी करते करते बहुत समय हो चुका है और मैंने सब को देखा है और मैं अपने हिसाब से देख लूंगा आपको जवाब देना मैं जरूरी नहीं समझता क्या सूचना के अधिकार के तहत किसी पत्रकार को जानकारी लेना गलत है प्रशासनिक अधिकारी इनके खिलाफ एक्शन क्यों नहीं ले रहे हैं

इनका कहना: मैंने दिनांक 1.10.2021 को बिलों की छायाप्रति प्राप्त करने हेतु सूचना के अधिकार के तहत आवेदन लगाया था किन्तु आज दिनांक तक उक्त दस्तावेज नहीं मिले है।

अशोक गर्ग निवासी विजयपुर

जिला उपाध्यक्ष अमित पड़रिया शंकर भैया ने ग्राम पहाड़ा खुर्द में जाकर माता रानी के दरबार में माथा टेका

समस्त ग्राम वासियों को विजयदशमी पर्व की शुभकामनाएं दी

संवाददाता हरिओम परिहार

खनियाधाना। ग्राम पंचायत पहाड़ा खुर्द में जिला उपाध्यक्ष अमित पड़रिया शंकर भैया का आगमन हुआ जिसमें माता रानी के पंडाल में जाकर मां दुर्गा से आशीर्वाद लिया और साथ ही लोगों की समस्याओं को विस्तार पूर्वक सुना गया ग्राम वासियों ने अपनी अपनी समस्याएं जिला उपाध्यक्ष जी के समक्ष रखी जिसमें बिजली से लेकर पानी से लेकर ग्रामीण लोग बेहद परेशान है उनकी वासियों की समस्याओं को तुरंत सुना गया और जल्द से जल्द उनके जो अधूरी कार पड़े हुए हैं उन पर जिला उपाध्यक्ष अमित पड़रिया शंकर भैया द्वारा संचालित करने का आश्वासन दिया इस कार्यक्रम के दौरान ऐसे

कई कार्य ग्राम की जो अधूरी पड़ी हुए थे उन पर तुरंत अमल किया गया इस कार्यक्रम में पहुंचकर जिला उपाध्यक्ष अमित पड़रिया शंकर भैया के साथ-साथ अन्य ग्रामवासी मुख्य रूप से माता रानी के पंडाल में उपस्थित रहे और सभी ने मां दुर्गा की वंदना की और मां दुर्गा से आशीर्वाद लिया

अम्बाह थाना परिसर में एसडीओपी व थाना प्रभारी ने किया बिधी बिधान से शस्त्रों व गाडियो का पूजन...

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह... विजयादशमी पर्व के अवसर पर अम्बाह थाना परिसर में समस्त पुलिस स्टाप ने अस्त्र-शस्त्रों व वाहनों की मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन किया गया शस्त्र पूजन में एसडीओपी परिमाल सिह मेहरा व थाना प्रभारी जितेन्द्र नगाइच व उपनिरी.पारथ सिह परिहार व बिबेक तोमर, पंकज यादव, इुह्यद्ब अमोलसिह, रामनिबाश, हेड कॉस्टेवल महेश शर्मा, प्रमोद, राजकुमार शर्मा, राम नरेश पहलबान, आरेक्षक सतेन्द्र, जोगेन्द्र, आन्नद शर्मा, नारायण शर्मा, नीरज, नरेन्द्र मोर्य, बिक्रम परमार, दीपक पचौरी व समस्त थाने के जवान सम्मिलित हुए विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर एसडीओपी परिमाल सिह मेहरा व थाना प्रभारी जितेन्द्र नगाइच ने अस्त्र-

शस्त्रों व वाहनों की पूजा कर पुलिस अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ शहर बासियो को विजयादशमी की बधाई देते हुए उनके सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की दशहरे पर शस्त्र पूजन करने का रिवाज काफी पुराना है ऐसे में हमेशा शस्त्रों के साथ रहने वाले पुलिस के जवान शस्त्र पूजन से कैसे पीछे रह सकते हैं ऐसी मान्यता है कि इस दिन जो भी काम किया जाता हैं, उसमें विजय यानि सफलता मिलती है वर्षों से चली आ रही इस परंपरा का निर्वहन करते हुए शस्त्र पूजन में सर्वप्रथम पुलिस थाने में रखे शस्त्रों का विधि विधान से पूजन किया गया पश्चात पौराणिक परंपरा का निर्वहन करते हुए नारियल नीबू तोडकर गाडियो की पूजा की गई जिसके बाद अधिकारियों द्वारा खुले प्रांगण में आज माता रानी के बिशर्जन पर नदी घाटो के पर बिषेश निगरानी रखने हेतु आबश्यक दिशा निर्देश दिये गये

पहाड़ा खुर्द में नौ देवी के दरबार में फूल बंगले सज्जे

लगाए छप्पन भोग, भक्तो ने दर्शन कर प्रसादी ग्रहण की।

संवाददाता हरिओम परिहार

पहाड़ा खुर्द में माता जी के भक्त मंडल की ओर से 9 वां नवरात्रि महोत्सव पर आज माँ शेरवाली मईया सहित 9 देवियों के दरबार मे फूल बंगाल के सज्जे दरबार मे छप्पन भोग के भव्य दर्शन करने दूर दूर जयकारे लगाते हुए हजारो भक्त उमड़ पड़े। सुबह पंडित बृज किशोर शर्मा जी में मंत्रो के साथ हवन यज्ञ कुंड में आहुतियां के साथ विश्वशांति की कामनाए की। शाम को नौ देवियों की संगीतमय दीपो से महा आरती के उपरांत काफी भक्तो ने पहुँचकर प्रसाद ग्रहण किया और नाटक अच्छी प्रस्तुतियां दी आयोजन समिति के धर्मेंद्र लोधी मुनि राम गुर्जर क्षेत्रपाल लोधी सतपाल लोधी गोलू बैरागी कल्ली गुर्जर।

अपनी स्त्री की 'ना' को समझने की समझ कितने मर्दों में होती है?

क्यूँ दब जाती है नारी की ना मर्दाना अहं के ढ़ेर के नीचे दब कर। बेशक एक एहसास को फलीभूत किया जा सकता है, ये हुनर क्यूँ नहीं होता हर मर्द में। एक नाजुक हथेली को मजबूत हथेलियों में थामकर जैसी तेरी मर्ज़ी, खुश? इतना कहने के लिए कहाँ कोई ट्यूशन की जरूरत होती है।

क्यूँ मर्दों को अपने साथ जुड़ी अपने दिल के बेहर करीब होती स्त्री की संवेदना स्पर्शती नहीं? स्त्री भी इंसान है उसकी भी पसंद-नापसंद, मर्ज़ी-नामर्ज़ी होती है। खासकर सेक्स के मामले में कुछ मर्दों को चुटकी सिंदूर लाइसेंस के बराबर लगता है। मैं तेरा पति हूँ, मेरा पूरा अधिकार है, मैं जब चाहूँ मनमानी कर सकता हूँ। जैसे पत्नी इंसान नहीं भेड़ बकरी हो। औरतों को माहवारी के दिनों में भी नहीं बख़्शते। जिन दिनों औरतों को मानसिक और शारीरिक आराम की जरूरत होती है, उन दिनों मर्द सिर्फ़ लाश को गले लगाते अपनी हवस पूरी कर रहा होता है। स्त्री के एहसासों पर उदासी की परत मली होती है। मर्द खंगाल रहा होता है अपनी वासना मुखर करते

उन्माद हीन काया से हर पहरन का वसन चिरते सिर्फ़ ठंड़े गोश्त का लुत्फ़ उठा रहा होता है। संदली गेसूओं में जंगलियत भरते खाल खिंच रहा होता है एक-एक बाल की, और स्त्री आँखें मूँदे घुटन का कटोरा बूँद-बूँद पी रही होती है।

चाह कर भी ब्याहता प्रतिसाद में एक भी चुंबन दे नहीं पाती, पेढ़ू में उठ रही पीड़ ने प्रणय की पराकाष्ठा पर नफ़रत का ज़हर घोल दिया होता है। काश पत्नी की ना को समझते माहवारी का चार दिन का अनमना मौसम काट लेते, उम्र के सारे मौसम उसके नाम ही तो किए होते है। मर्द हक का मारा होता है, और अबला के अहसास पर चुटकी सिंदूर भारी होता है। ना कहने की भी हकदार नहीं होती।

क्यूँ कुछ स्त्रियों को किसी फैसले का अधिकार नहीं होता? मर्द के बनाए बंदीशों के दायरे से सिमटकर रहना पड़ता है।

बात सिर्फ़ अंतर्मन से उठती भावनाओं की होती है। मर्द के दिल से उठता ये भाव औरत के होठों की हंसी और ज़िंदगी जीने की वजह बन सकता है। पर काटों को फूल की खुशबू से कहाँ मतलब चुभने की फ़ितरत जो ठहरी। कभी स्त्री के फैसले का स्वीकार करके भी देखिए, थोड़ा हक देकर देखिए, थोड़ी आज़ादी देकर देखिए जीवन में खुशियों के फूल खिल उठेंगे।

सिर्फ़ स्त्री की ना को अपनाने वाला महज़ एक वाक्य ÷ठीक है जैसी तुम्हारी मर्ज़ी÷ सारे ताले खोल देगा। पंखुडी की तरह स्त्री की ना को मसल देना स्त्री के आत्मा की मौत है। स्त्री की नामर्ज़ी को चाहकर तो देखो, आपकी परवाह के बदले लूटा देगी अपनी चाहत के सारे ज़ेवर। पर ना कुछ मर्द संवेदना हीन होते है। सदियों से कुछ नदियाँ भटकती है अपनी पसंद के समुन्दर की तलाश में न उनको किनारा मिलता है, न अपनी पसंद का समुन्दर, आखिरकार किसी मोड़ पर आकर सूख जाती है।

भावना ठाकर भावु बेंगलोर

पुलिस थाना पिछोर जिला शिवपुरी पुलिस ने हत्या के अपराध में 10 आरोपी दबोचे

जिनसे हत्या में प्रयुक्त लाठियां, डंडा , फरसा व एक कट्टा 315 बोर का जब्त किया

पत्रकार हरिओम परिहार खनियाधाना से

पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी राजेश कुमार चंदेल , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एवं एसडीओपी महोदय पिछोर दीपक तोमर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पिछोर गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस थाना पिछोर की टीम ने दिनांक1/10/22 की रात ग्राम कछौआ में सेल्समैन अच्छे लाल रजक निवासी कछउआ की हत्या करने वाले 10 आरोपी देर रात जगदीश पाल के कुआं से गिरफ्तार किए व हत्या करने में में प्रयुक्त लाठियां , डंडे ,फरसा व एक कट्टा 315 बोर का जब्त किया । कट्टा आरोपी कदम सिंह पाल के कब्जे से जब्त किया । पुलिस थाना पिछोर जिला शिवपुरी में अपराध क्रमांक 581 /22 धारा 147, 148, 149, 302, 307 ता. हि. 25 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध किया गया है । हत्या का कारण - आरोपी अच्छेलाल ग्राम कछौआ में कंट्रोल

की दुकान चलाता था जिसे आरोपी गण चलाना चाहते थे ।गांव के वर्तमान सरपंच अजय लोधी का जमीन का विवाद अनूप पाल व भाई साहब लोधी से था ।इसके अतिरिक्त कदम सिंह पाल की नाबालिग पुत्री का फोटो अजय लोधी सरपंच के भतीजे सोनू ने खींच लिया था व अच्छेलाल के पुत्र देवेंद्र ने लड़की का फोटो फेसबुक में डाल दिया था ।इस पर से दोनों पक्ष में तीन-चार दिन से विवाद चल रहा था । गिरफ्तार सुदा आरोपियों के नाम- 1. जनवेस पुत्र रामलाल पाल उम्र 40 साल 2. श्रीराम पुत्र मूंगा पाल उम्र 32 साल, 3. इन्द्र पाल पुत्र कुंवर राज पाल उम्र 25 साल, 4. जगदीश पुत्र सिरनाम पाल उम्र 39 साल, 5. कदम पुत्र राम सेवक पाल उम्र 28 साल, 6. बृजेश पुत्र कुंवर राज पाल उम्र 24 साल, 7 जीतू उर्फ जितेन्द्र पुत्र कुंवर राज पाल उम्र 21 साल, 8. अनूप पुत्र रामलाल पाल उम्र 39 साल 9 कुंवर राज पुत्र बंशी पाल उम्र 50 साल, 10. सेवक उर्फ रामसेवक पुत्र बंशीपाल उम्र 60 साल निवासीगण ग्राम कछौआ इसके अतिरिक्त तीन अन्य आरोपी सुनील लोधी ,कल्ला लोधी भाई साहब लोधी की तलाश जारी है । पुलिस थाना पिछोर की टीम -उ.नि. चेतन शर्मा, स.उ.नि. चरन सिंह, स.उ.नि. शैलेन्द्र सिंह चौहान, प्र. आर. अरविन्द यादव, प्र. आर. संतोष यादव, प्र. आर. हीरा सिंह पाल, आर. प्रदीप कौरव, आर. रूपेन्द्र यादव, आर. रामनाथ रावत, आर. बचान सिंह तोमर, आर. रवि कौरव, आर. माधव शंकर की सराहनीय भूमिका रही ।

श्री क्षत्रीय सीरवी समाज विकास मंडल दिवा मुंब्रा की नयी कार्यकारिणी का गठन

पुष्पाजंली टुडे

मुम्बई -श्री क्षत्रीय सीरवी समाज विकास मंडल दिवा मुंद्रा मुम्बई की नयी का गठन किया गया। मिटिंग के पहले आईमाताजी मंदिर प्रांगण में माताजी का दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना कर आमसभा का शुभारंभ किया गया ।जिसमें नवीन कार्यकारिणी चुनाव हेतु अध्यक्ष पद पर चुन्नीलाल गहलोत सचिव रतनलाल परमार कोषाध्यक्ष भंवरलाल चोयल मिडीया प्रभारी सुजाराम लचेटा उपाध्यक्ष रताराम परमार सहसचिव नारायणलाल खंडाला सहकोषाध्यक्ष खेताराम काग सह मिडिया प्रभारी जेठाराम सेपटा एवं मुख्य सलाहकार कसाराम सोयल, पेमाराम परमार, बगदाराम परमार, रमेश काग,सखाराम मुलेवा एंव कमेटी सदस्य मनाराम सोयल, सोहनलाल लचेटा, वक्ताराम सोयल, ढगलाराम सोयल, कुपाराम काग,कुपाराम सापतरा, मांगीलाल काग,सोहनलाल गहलोत, नारायणलाल परमार लखाराम सेंणचा, रूपाराम सोयल, नीलेश गेहलोत को सर्वसहमती से चुना गया ।इस अवसर पर सीरवी समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस थाना पिछोर जिला शिवपुरी पुलिस ने हत्या के अपराध में10 आरोपी दबोचे

जिनसे हत्या में प्रयुक्त लाठियां, डंडा , फरसा व एक कट्टा 315 बोर का जब्त किया

राकेश परिहार

पिछोर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश कुमार चंदेल , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एवं एसडीओपी पिछोर दीपक तोमर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पिछोर गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस थाना पिछोर की टीम ने दिनांक1/10/22 की रात ग्राम कछौआ में सेल्समैन अच्छे लाल रजक निवासी कछउआ की हत्या करने वाले 10 आरोपी देर रात जगदीश पाल के कुआं से गिरफ्तार किए व हत्या करने में में प्रयुक्त लाठियां , डंडे ,फरसा व एक कट्टा 315 बोर का जब्त किया । कट्टा आरोपी कदम सिंह पाल के कब्जे से जब्त किया । पुलिस थाना पिछोर जिला शिवपुरी में अपराध क्रमांक 581 /22 धारा 147, 148, 149, 302, 307 ता. हि. 25 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध किया गया है । हत्या का कारण - आरोपी अच्छेलाल ग्राम कछौआ में कंट्रोल की दुकान चलाता था जिसे आरोपी गण चलाना चाहते थे ।गांव के वर्तमान सरपंच अजय लोधी का जमीन का विवाद अनूप पाल व भाई साहब लोधी से था ।इसके अतिरिक्त कदम सिंह पाल

की नाबालिग पुत्री का फोटो अजय लोधी सरपंच के भतीजे सोनू ने खींच लिया था व अच्छेलाल के पुत्र देवेंद्र ने लड़की का फोटो फेसबुक में डाल दिया था ।इस पर से दोनों पक्ष में तीन-चार दिन से विवाद चल रहा था ।

गिरफ्तार सुदा आरोपियों के नाम

1. जनवेस पुत्र रामलाल पाल उम्र 40 साल 2. श्रीराम पुत्र मूंगा पाल उम्र 32 साल, 3. इन्द्र पाल पुत्र कुंवर राज पाल उम्र 25 साल, 4. जगदीश पुत्र सिरनाम पाल उम्र 39 साल, 5. कदम पुत्र राम सेवक पाल उम्र 28 साल, 6. बृजेश पुत्र कुंवर राज पाल उम्र 24 साल, 7 जीतू उर्फ जितेन्द्र पुत्र कुंवर राज पाल उम्र 21 साल, 8. अनूप पुत्र रामलाल पाल उम्र 39 साल 9 कुंवर राज पुत्र बंशी पाल उम्र 50 साल, 10. सेवक उर्फ रामसेवक पुत्र बंशीपाल उम्र 60 साल निवासीगण ग्राम कछौआ इसके अतिरिक्त तीन अन्य आरोपी सुनील लोधी ,कल्ला लोधी भाई साहब लोधी की तलाश जारी है । पुलिस थाना पिछोर की टीम -उ.नि. चेतन शर्मा, स.उ.नि. चरन सिंह, स.उ.नि. शैलेन्द्र सिंह चौहान, प्र. आर. अरविन्द यादव, प्र. आर. संतोष यादव, प्र. आर. हीरा सिंह पाल, आर. प्रदीप कौरव, आर. रूपेन्द्र यादव, आर. रामनाथ रावत, आर. बचान सिंह तोमर, आर. रवि कौरव, आर. माधव शंकर की सराहनीय भूमिका रही ।

विजयादशमी के पावन पर्व पर पुलिस लाइन में किया गया शस्त्रों एवं वाहन का पूजन

संदीप प्रधान उप संपादक दैनिक पुष्पांजलि टुडे

दतिया बुराई पर अच्छाई की जीत के पर्व विजयदशमी के अवसर पर पुलिस लाइन में शस्त्रों की साफ-सफाई कर शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ के द्वारा शस्त्रों का एवं वाहनों का ल पूजन किया गया व सभी को दशहरा की शुभकामनाएं दी गई। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य, एसडीओपी बड़ौनी श्री दीपक नायक, एसडीओपी दतिया सुश्री प्रियंका मिश्रा, आर आई रवि कांत शुक्ला अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे

विजयदशमी के अवसर पर पुलिस लाइन सहित सभी थाना चौकियों में हुई शस्त्र एवं वाहन पूजा

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-विजयादशमी पर्व पर पुलिस लाइन के साथ सभी थाना, चौकियों में अस्त्र-शस्त्र और वाहनों की वैदिक मंत्रोधाार के साथ पूजन किया गया। पुलिस लाइन के शस्त्रों की पूजन में कलेक्टर शिवपुरी श्री अक्षय कुमार ,पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण भूरिया, एसडीओपी कोलारस श्री विजय कुमार ,रक्षित निरीक्षक भारत सिंह यादव तथा शहर के थाना प्रभारी, एमटीओ एवं रक्षित केंद्र के जवानों की उपस्थिति में किया। असत्य पर सत्य की जीत के प्रतीक विजयादशमीं पर्व पर कलेक्टर शिवपुरी एवं पुलिस अधीक्षक शिवपुरी ने पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के साथ जिलेवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। दशहरे पर शस्त्र पूजन की परंपरा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन जो भी काम किया जाता हैं, उसमें विजय यानी सफलता मिलती है। परंपरा का निर्वहन करते हुए शस्त्र पूजन में सर्वप्रथम रक्षित केंद्र में रखे आर्म्स, एम्युनेशन का विधि-विधान से पूजन किया गया। इसके बाद वाहनों की पूजा की। इसी प्रकार सभी थाना, चौकियों में उपलब्ध आर्म्स एम्युनेशन की पूजा की गई। शस्त्र पूजन में विशेष तौर पर रक्षित केंद्र तथा थाना, चौकियों में उपलब्ध आर्म्स, एम्युनेशन तथा शस्त्र स्वरूप वाहनों की साफ-सफाई आयल, ग्रीसिंग कर पूजन किया जाता है।

महेंद्र मुणोत को किया सम्मानित

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू –आदर्श शिक्षण संस्थान समूह के के एच एस आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं आदर्श प्राथमिक विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह को बेंगलुरु के ज्ञान ज्योति सभागार में आयोजित किया गया संस्थान के पदाधिकारियों ने आदर्श शिक्षण संस्थान के 50 वर्षों के सुनहरे सफर पर प्रकाश डाला मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक दिनेश गुंडू राव ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया विद्यार्थियों ने मनभावन सांस्कृतिक प्रस्तुति से जन समूह का मन मोह लिया चित्र में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए विधायक दिनेश गुंडू राव, संस्थान के अध्यक्ष पदम राज मेहता, जितेंद्र मरडिया, केके भंसाली, अरविंद दोशी, महावीर खाढेर, प्राचार्य प्रज्ञा यादव, भेरूमल महेश नाहर , अमृता यादवएवं उपस्थित थे।

सराफा में बदमाशों ने युवती पर डाला ज्वलनशील स्प्रे, मचा हंगामा

जबलपुर। नवरात्र में दुर्गा प्रतिमाओं के दर्शन करने निकली एक युवती पर मंगलवार रात करीब 12:30 बजे सराफा में बदमाशों ने ज्वलनशील स्प्रे डाल दिया। वारदात के दौरान सुनरहाई दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए एक आरोपित को पकड़ लिया। वारदात में करीब 10 आरोपितों के शामिल होने की बात सामने आई है। सराफा में बदमाशों ने युवती पर डाला ज्वलनशील स्प्रे, मचा हंगामा, एक आरोपित को सुनरहाई दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने पकड़ा घटना से आक्रोशित सराफा एसोसिएशन के साथ सैकड़ों लोग कोतवाली थाने पहुंच गए और प्रदर्शन करते हुए सभी आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की। इसे लेकर देर रात तक कोतवाली थाने में हंगामा मचा रहा। सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा सराफ ने बताया कि युवती अपनी मां के साथ सुनरहाई दुर्गा उत्सव समिति के पास से निकल रही थी। तभी करीब 10 बदमाशों ने उस पर तेजाब जैसा पदार्थ डालकर हमला कर दिया। तभी सुनरहाई दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारि पहुंच गए। जिन्हें देखकर 9 आरोपित मौके से भाग गए, जबकि एक आरोपित को समिति के पदाधिकारियों ने पकड़ लिया है। वहीं मामले में पुलिस का कहना है कि 6 संदिग्धों को पकड़ लिया गया है। पीड़िता को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पकड़े गए आरोपित को कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया। शेष फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर सराफा एसोसिएशन सहित अन्य लोग कोतवाली थाने पहुंच गए। यहां प्रदर्शन करते हुए सभी आरोपितों की 1 घंटे में गिरफ्तारी की मांग की गई। घटना की जानकारी लगते ही पूर्व महापौर प्रभात साहू, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल, सीताराम सेन सहित सैकड़ों लोग कोतवाली थाने पहुंच गए। वहीं घटना को लेकर सीएसपी कोतवाली प्रभात शुक्ला का कहना है कि लड़की पर कोई ज्वलनशील स्प्रे डाले जाने की बात सामने आ रही है। इसकी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि जिला चिकित्सालय में उपचार के बाद युवती कोतवाली थाने पहुंची और मामले की शिकायत दर्ज करवाई है। बाद में धर्म सेना, बजरंग दल सहित संगठनों के कार्यकर्ता पहुंचकर यहां नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन करने लगे।

श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा अखंड भारत मध्य प्रदेश का हुआ

दशहरा शस्त्र पूजन समारोह

संतोष सिंह भदौरिया

ग्वालियर / आपको बता दें कि श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश मीडिया प्रभारी संतोष सिंह भदोरिया द्वारा बताया गया कि आज क्षत्रिय महासभा द्वारा ग्वालियर के मनोरमा गार्डन में क्षत्रिय मिलन समारोह के साथ-साथ शस्त्र पूजन का भी आयोजन किया गया है जोकि श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह भदोरिया जी के निर्देशानुसार क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र राजावत जी एवं उनकी टीम के नेतृत्व में एक बड़ा ही भव्य शस्त्र पूजन समारोह रखा गया जिसमें पांच सैकड़ा से ज्यादा क्षत्रियों को जोड़ने का काम किया गया क्षत्रिय महासभा के शस्त्र पूजन में आए मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर के विधायक व ग्वालियर महापौर पति सतीश सिकरवार जी ने कहा क्षत्रिय धर्म सर्व समाज को साथ लेकर चलने वाला ही क्षत्रिय धर्म कहलाता है अपने समाज के लिए तो हर कोई जीता है लेकिन दूसरे समाज के सभी वर्गो को साथ लेकर व उनके दुख सुख में शामिल होकर और जो समाज में आज के जो रावण पनप रहे हैं उन को कुचल कर सर्व समाज की रक्षा करते हुए आगे लेकर चलना ही क्षत्रिय धर्म कहलाता है द्य अतिथि के रूप में आए राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह भदोरिया जी ने कहा असत्य पर सत्य की जीत के रूप मे ही दशहरा मिलन समारोह मनाया जाता हैद्य मंच का संचालन मुख्य रूप से प्रदेश प्रवक्ता वेद प्रकाश राजावत एवं शोभित सिंह चौहान जी ने किया अंत में आभार प्रदेशाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राजावत जी ने किया क्षत्रिय महासभा में मुख्य रूप से उपस्थित रामराज सिंह भदोरिया राजेश सिंह रामवीर सिंह परिहार गजेंद्र सिंह भदोरिया नरेश सिंह भदोरिया धर्मेंद्र सिंह परमार संतोष सिंह भदोरिया रेखा परमार नीतू तोमर इस तरह से पांच सैकड़ा से ज्यादा लोग उपस्थित हुए

मौ नगर में मां वैष्णो देवी भक्त मंडल द्वारा आज जागरण हुआ

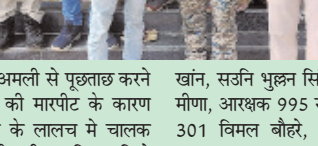

पुष्पांजलि टुडे मौ रिपोर्ट पवन विश्वकर्मा

मो नगर वार्ड 12में मां वैष्णो देवी युवा भक्त मंडल द्वारा मां का भव्य दरबार लगा हुआ है एवं आज रात्रि में जागरण हुआ मो नगर से माता ,बहने ,युवा , भाजपा मंडल कार्यकर्ता,एवं बजरंग दल कार्यकर्ता सैमलेत हुए मां वैष्णो देवी भक्त मंडल प्रमुख कार्यकर्ता रमाशंकर कुशवाह, डॉक्टर साहब सिंह पंकज कुशवाहा उपाध्यक्ष , राजीव विश्वकर्मा, सुंदर पाल यादव ,श्री कृष्ण कुशवाह, पवन राठौर ,रिंकू यादव ,बुध सिंह कुशवाह ,मोनू शर्मा ,विवेक यादव, देवेंद्र कुशवाहा ,अनिल कुशवाह ,उमेश कुशवाहा, रवि कुशवाह ,रामकुमार कुशवाहा, सुनील यादव, कृष्ण यादव, रिंकू गौड ,कपिल चौहान, रामवीर चौहान, कैलाश राठौर, मंगल कुशवाह, राजीव कुशवाह,करतार गौड़ डॉक्टर गोविंद विश्वकर्मा इत्यादि।

थाना सुभाषपुरा पुलिस द्वारा अन्धेकत्ल का पर्दाफास कर आरोपी क्लीनर को किया गिरफ्तार

अरुण कुशवाह रिपोटर
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-कल दिनांक 04.10.2022 को थाना प्रभारी सुभाषपुरा सुनील सिंह राजपूत को थाना प्रभारी मोहना द्वारा जरिये मोबाइल सूचना दी कि थाना सुभाषपुरा क्षेत्र मे ट्रोलर क्रमांक क्क65क्4117 के चालक की हत्या एवं लूट की गई है, जिसके संबध मे तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया ।

उक्त अज्ञात लूट एवं हत्या की घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चन्देल द्वारा घटना की तुरंत निकाल हेतु अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण भूरिया के मार्गदर्शन मे अनुविभागीय अधिकारी इंचार्ज श्री विजय यादव के नेतृत्व मे थाना सुभाषपुरा एवं थाना सतनबाडा की संयुक्त टीम गठीत की गई जिसमे सर्वप्रथम ट्रोलर को बारिकी से निरीक्षण करने पर मृतक की हत्या सोते हुए प्रथम दृष्ट्या प्रतीत हुई जिससे क्लीनर पर शक हो गया ,बाद क्लीनर द्वारा बतायी गई प्रत्येक बात की तस्दीक की गई बाद जब उसपर शक यकीन मे बदल गया तो उससे हिकमत अमली से पूछताछ करने पर क्लीनर ने चालक की मारपीट के कारण गुस्सा तथा प्रथम बनने के लालच मे चालक जसवंत की हत्या करनी स्वीकार किया, जिसे गिरफ्तार कर हत्या मे प्रयुक्त लोहे के व्हीलपाना को पुलिस द्वारा आरोपी क्लीनर से जप्त किया गया । उक्त कार्यवाही में उनि सुनील सिंह राजपूत थाना प्रभारी सुभाषपुरा, उनि दिनेश नरवरिया थाना प्रभारी सतनबाडा, सउनि परवेज खांन, सउनि भुल्लन सिंह, आरक्षक 278 देवेन्द्र मीणा, आरक्षक 995 राजकुमार गुर्जर, आरक्षक 301 विमल बौहरे, आरक्षक 726 रामपाल जाट, आरक्षक 463 संजय, आर0 854 राहुल, आर0 440 राधाकृष्ण धाकड एवं थाना सतनबाडा फोर्स सउनि लक्ष्मन सिंह कुशवाह, सउनि बजरंग सिहं जादौन, आरक्षक दीपक किरार, आर0 900 अनिल गुर्जर, आर0 155 राजकमल की अहम भूमिका रही ।

अपनी जान बचाने के लिए पहने हेलमेट, अभी समझा रहे त्यौहार के बाद बनेगा तगड़ा चालान, नहीं चलेगा कोई तर्क

जबलपुर। दो पहिया वाहन चलाते समय सिर पर हेलमेट लगाना अनिवार्य है। यह मोटर व्हीकल एक्ट के तहत आवश्यक और आपकी जान बचाने के लिए भी जरूरी है, इसलिए हेलमेट को सिर का बोझ न समझें और वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का उपयोग करें। शहर में अब दो पहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। हाईकोर्ट के निर्देश पर इस संबंध में पुलिस मुख्यालय ने भी आदेश जारी कर दिए हैं, जिसका पुलिस अब कड़ाई से पालन करवाएगी। जल्द ही शहर में बिना हेलमेट पहने वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई तेजी से शुरू की जाएगी। इसके साथ ही लोगों में हेलमेट पहनने जागरूकता लाने के लिए भी अभियान शुरू होगा। पुलिस ने सोमवार से ही इस ओग कदम बढ़ाते हुए लोगों को समझाइश देना शुरू कर दिया है। इसके बाद भी लोग हेलमेट लगाने से बच रहे हैं। सोमवार को शहर में ज्यादातर दो पहिया वाहन चालक बिना हेलमेट के वाहन चलाते

मिले। हेलमेट नहीं लगाने का कारण पूछने पर सभी ने अपने-अपने तर्क दिए हैं।

क्यों जरूरी है हेलमेट

दो पहिया वाहन चलाते समय होने वाले हादसों में ज्यादातर मौतें सिर में लगी गंभीर चोटों के कारण होती हैं। हेलमेट दुर्घटना के समय सिर में चोट लगने से बचाता है। अगर सभी लोग हेलमेट का प्रयोग करने लगेंगे तो उनकी जान की रक्षा होगी और सड़क हादसों में होने वाली मौतों में भी कमी आ जाएगी।

हेलमेट पहनकर गाड़ी चलाने लायक नहीं हैं शहर की सड़कें

हेलमेट नहीं पहनकर वाहन चलाने वालों का अपना तर्क है। ऐसे ज्यादातर लोगों का कहना है कि शहर की सड़कें हेलमेट पहनकर वाहन चलाने के लायक नहीं हैं। जर्जर सड़कों एवं भीड़भाड़ के कारण वाहनों की गति बिल्कुल सामान्य रहती है, इसलिए हेलमेट पहनना जरूरी नहीं लगता।

पहले समझाइश, फिर कार्रवाई-

पुलिस ने शहर एवं देहात के करीब चालीस स्थानों पर प्वाइंट लगाए। इन सभी स्थानों पर पुलिस ने दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने की समझाइश दी। कुछ लोगों के चालान भी काटे गए। पुलिस का कहना है कि अभी त्योहारों के कारण लोगों के साथ नरमी बरतते हुए सिर्फ समझाइश दी जा रही है। जल्द ही कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

त्योहार बाद बरती जाएगी सख्ती-

बिना हेलमेट पहने दो पहिया वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस त्योहार के बाद सख्त रुख अपनाएगी। अभी त्योहारी माहौल में सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ रही है।

एमपी के गृहमंत्री बोले, आदिपुरुष फिल्म से आपत्तिजनक दृश्य नहीं हटाए तो करेंगे कानूनी कार्रवाई, मंदिर में डांस वीडियो पर युवती पर एफआइआर

भोपाल। फिल्म आदिपुरुष में आपत्तिजनक दृश्य दिखाए जाने को लेकर फिल्म निर्माता एवं निर्देशक ओम राउत की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। फिल्म से इन दृश्यों को हटाने को लेकर गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने राउत को पत्र लिखा है। जिसमें कहा है कि फिल्म में धार्मिक आस्थाओं के प्रतीकों का चित्रण जिस तरह से किया गया है, उस पर जनसामान्य को आपत्ति होना स्वाभाविक है। डा. मिश्रा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि पत्र लिखे जाने के बाद भी फिल्म से दृश्य नहीं हटाए गए, तो निर्माता-निर्देशक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। वहीं मंत्री ने छतरपुर के मंदिर में आपत्तिजनक नृत्य पर नृत्य करने वाली नेहा के खिलाफ एफआइआर के निर्देश दिए हैं फिल्म का टीजर सामने आया है। जिसमें हनुमानजी के वस्त्रों को लेकर विवाद है। फिल्म में उनके वस्त्र चमड़े के दिखाए गए हैं। गृहमंत्री ने मीडिया से चर्चा में कहा कि उन्होंने फिल्म का टीजर देखा है। उसमें आपत्तिजनक दृश्य हैं। डा. मिश्रा कहते हैं कि हनुमानजी हमारी आस्था के केंद्र बिंदु हैं उन्हें फिल्म में जिस रूप में दिखाया गया है। वह अच्छा नहीं है। जबकि हनुमान चालीसा सहित शास्त्रों में हनुमानजी के अंगवस्त्र बताए गए हैं। उसके बाद भी इस तरह किया गया है। ये आस्था पर कुठाराघात है। धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले दृश्य हैं। किसी भी फिल्म निर्माता से हमारे आराध्य देवताओं का इस तरह चित्रण करने की उम्मीद नहीं की जाती है। उन्होंने पत्र में लिखा कि बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को ध्यान में रखकर फिल्म में इस तरह के चित्रण को विलोपित करें और चेतावनी दी है कि भविष्य में इस तरह की त्रुटि न हो। इसका भी ध्यान रखें।

एफआइआर के निर्देश

मंत्री ने छतरपुर के घटनाक्रम पर कहा कि देवी मंदिर परिसर में जो वस्त्र नेहा ने पहने हैं और जिस तरह के दृश्य फिल्माए गए हैं। वे आपत्तिजनक हैं। मैंने पहले भी मंदिरों में जाकर फिल्मों में आपत्तिजनक दृश्य फिल्माने पर आपत्ति की थी। हमने कहा था कि हम प्रकरण दर्ज करेंगे।

महाराज' श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तलवार की नोक से छुआ शमी का पेड़,जनता ने लूटा सोना!

शमी पूजन कार्यक्रम में सिंधिया और उनके पुत्र पारंपरिक राजसी पोशाक पहने थे और सिर पर शिंदे शाही पगड़ी लगाए थे।

ग्वालियर। आजादी के बाद देश में मौजूद रियासतों के विलय हो गया था, सिंधिया रियासत भी इसमें शामिल थी लेकिन इन रियासतों ने अपनी परम्परों को नहीं छोड़ा। ग्वालियर में आज भी सिंधिया राजवंश के सदस्यों द्वारा रियासतकालीन परंपरा निभाई जाती है। सिंधिया राजवंश प्रमुख आज भी दशहरे पर शमी के पेड़ का पूजन करते हैं।

श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर में उनकी कुलदेवी मांडरे की माता मंदिर के नीचे स्थित दशहरा मैदान पर हर साल की तरह इस बार भी शमी के पेड़ का पूजन किया। सिंधिया राजवंश प्रमुख ÷महाराज÷ ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ उनके पुत्र ÷युवराज÷ महान आर्यमन सिंधिया ने भी शमी के पेड़ का राजवाड़े की परंपरा अनुरूप पूजन किया। सिंधिया रियासत के वर्तमान प्रमुख ज्योतिरादित्य सिंधिया भी इस परंपरा को निभा रहे हैं। दशहरे पर बुधवार को उन्होंने ग्वालियर में शमी के पेड़ का पूजन किया। जैसे ही महाराज सिंधिया ने राजपुरोहितों के मंत्रोच्चार के बीच तलवार से शमी के पेड़ को छुआ वहां मौजूद ग्वालियर की जनता सोना (शमी के पेड़ की पत्ती) लूटने दौड़ पड़ी। शमी पूजन कार्यक्रम में सिंधिया और उनके पुत्र पारंपरिक राजसी पोशाक पहने हुए थे और सिर पर शिंदे शाही पगड़ी लगाए थे। सिंधिया के दशहरा मैदान पहुंचते ही उनकी रियासत के सरदारों और उनके वंशजों ने उनका रियासती अंदाज में कॉर्निश कर स्वागत किया। शमी के पेड़ के पूजन सिंधिया ने उनकी रियासत के पूर्व सरदारों से मुलाकात की और मीडिया से बात कर्त हुए शहर के लोगों को दशहरे की शुभकामनाएं दी। शमी पूजन कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, राज्यमंत्री ओ पी एस भदौरिया, भाजपा जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी सहित कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

विहिप बजरंग दल द्वारा शस्त्र पूजन कर चल समारोह निकाला

मर्यादा पुरूषोत्तम राम ने असत्य के पुजारी रावण का वध कर सत्य को जीत दिलाई - पप्पू वर्मा

ग्वालियर। विहिप बजरंग दल के द्वारा प्रतिवर्ष की भांती इस वर्ष भी दिनांक 05 अक्टूबर, 2022 को विजयदशमी के पावन पर्व पर 07 स्थानो पर शस्त्र पूजन किया गया। एवं चल समारोह हीरा भूमिया मंदिर गोल पहाडिया, गाढवे की गोठ चौराहा, बैंक ऑफ इण्डिया सिकन्दर कम्पू चौराहा, गेण्डे वाली सडक, बंशी की बगिया, बालाजी धाम मंदिर, नदी गेट चौराहा से निकाला गया यह सभी संचलन का एक साथ संगम महाराज बाडे पर हुआ। संचलन पश्चात महाराज बाडे पर मुख्य वक्ता विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत मंत्री पप्पू वर्मा उपस्थित थे। सर्वप्रथम आये हुये अतिथियो ने भगवान श्रीराम के चित्र पर माल्यार्पण कर दीपप्रज्वलित किया। कार्यकर्ताओ का मार्गदर्शन करते हुये विहिप प्रांत मंत्री पप्पू वर्मा ने कहा कि आज का दिन अन्याय पर न्याय की जीत का दिन है आज के दिन मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम ने असत्य के पुजारी रावण का वध कर सत्य को जीत दिलाई थी। ओर धर्मराज्य की स्थापना की थी। आज दशहरे के दिन सभी विजय दिवस मनाते है ओर शस्त्र पूजन करते है इसी क्रम में हमने भी आज शस्त्र पूजा की है विजयदशमी के दिन शस्त्रो का पूजन सर्वत्र विजय की कामना के साथ किया जाता है साथ ही देश की उन्नति की अराधना भी की जाती है। सनातन परम्परा में शस्त्र और शास्त्र दोनो का बहुत महत्व है। शास्त्र की रक्षा ओर आत्मरक्षा के लिये धर्मसम्मत तरीके से शस्त्र का प्रयोग होता रहा है। विजयदशमी के दीन ही राजा विक्रमादित्य ने दशहरे के दिन देवी हरसिद्धि की आराधना की थी। छत्रपति शिवाजी ने भी इसी दिन मॉ दुर्गा को प्रसन्न करके भवानी तलवार प्राप्त की थी। इसलिये यह दिन विजय की प्रतीक दशहरा वाले दिन देश भर में अस्त्र-शस्त्र की पूजा का विधान है। मान्यता है कि इस दिन जो भी काम किया जाता है। उसका शुभ फल अवश्य प्राप्त होता है। यह भी माना जाता है कि शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने के लिये इस दिन शस्त्र पूजा अवश्य की जानी चाहिये। हम ज्यादा से ज्यादा कर्मठ कार्यकर्ता बनायेंगे तभी हमारा राष्ट्र और हिन्दू समाज सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विहिप के प्रांत मंत्री पप्पू वर्मा, प्रांत सह संयोजक मनोज रजक मनोज गोडिया, मुकेश गुप्ता, प्रताप सिकरवार, शेरू भाई, जगदीश चौहान, राजू गोस्वामी, विजय कन्नोजिया, रविराज लुढेले, कृष्णकुमार रावत, दीपक मांझी, नीरज ऊचिया, गोलू सैन, रंजीत रजक, धनराज थनवार, विपिन झॉ, राजीव शाक्य, नरेश बगबईया, शंकर शाक्य, चेतन मीणा, कपिल भार्गव, गजेन्द्र दिसौरिया, ब्रजेश उपाध्याय, ओमप्रकाश रघुवंशी, दीपू कुशवाह, अभिनाष जगताप, राकेश कुशवाह, रवि जैन, रिक्की गोडिया, वीर सिंह गौर, नरेश वर्मा, आकाश कुशवाह, वीर सिंह गौड आकाश रजक, सोनू गोडिया, बबलू माहौर, लाला शिवहरे, अरूण गोधा, आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ग्वालियर में क्षत्रिय महासभाओं ने धूमधाम से मनाया दशहरा का महापर्व

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का भव्य दशहरा मिलन समारोह शताब्दीपुरम फेस-2 में हुआ आयोजित

वर्चुअली जुड़े केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह जी तोमर बोले क्षत्रिय समाज हमेशा एकजुट रहे : नरेन्द्र सिह तोमर

.विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉण् गोविन्द सिंह ने दिये क्षत्रिय महासभा को विधायक निधि से 5 लाख रुपयेए मंच पर अन्य लोगों से भी की मांग

समाज को बदनाम करने की घृणित साजिश कभी कामयाब नहीं होगीरू ओपीएस भदौरिया

सभी वर्गों में साथ में लेकर चलना क्षत्रिय समाज का कर्त्तव्यरू सतीश सिकरवार

दशहरे का पर्व असत्य पर सत्य की विजय का त्यौहार है : महापौर डॉ. शोभा सिकरवार

ग्वालियर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का भव्य दशहरा मिलन समारोह आज महाराणा प्रताप पार्क कुंज विहार कॉलोनी शताब्दीपुरम फेस.2 में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को वर्चुअली सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि क्षत्रियों का प्रमुख पर्व दशहरा का त्यौहार है। जिसे सभी को एकजुट होकर मनाना चाहिए। क्षत्रिय समाज एकजुट रहे और हंसी.खुशी से ये पर्व मनाता रहे। मैं व्यस्ततम कार्यक्रम होने के कारण आप लोगों के बीच उपस्थित नहीं हो पाया हूं। इसके लिए क्षमाप्रार्थी हूं। आप सभी समाज के लोगों को एक बार पुनरू दशहरा के त्यौहार की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉण् गोविन्द सिंह ने कहा कि मैंने हमेशा क्षत्रिय समाज का भला किया है और आगे भी करता रहूंगा। मैं अपनी विधायक निधि से 5 लाख रुपये क्षत्रिय महासभा को देता हूं और 51 हजार रुपये अपनी ओर से अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा को देता हूं।

वहीं राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने महासभा को संबोधित करते हए कहा कि कुछ लोग क्षत्रिय समाज को बदनाम करने की घृणित साजिश रच रहे हैं जो कि हम सभी को एकजुट होनाा कामयाब नहीं होने देना है। हम सभी एक रहेंगे तो साजिश रचने वालों को चेहरे बेनकाब हो जाएंगे। हमें उनकी साजिश कामयाब नहीं होने देनी है।

विधायक डॉण् सतीश सिकरवार ने कहा कि क्षत्रिय समाज को सभी वर्गों को साथ लेकर चलना चाहिए। यह हमारा कर्त्तव्य भी है। हमें समाज के दबे.कुचले लोगों को आगे लेकर आना है तभी हम समाज को आगे बढ़ाने में कामयाब होंगे।

वहीं महापौर डॉण् शोभा सिकरवार ने कहा कि दशहरे का पर्व असत्य पर सत्य की विजय का त्यौहार है। त्यौहार हमें मानसिक रूप से टेंशन मुक्त रखते हैं।

क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री इंजीण् राजेन्द्र सिंह भदौरिया ने कहा कि हम सभी लोग 9 दिन तक माता की पूजा आराधना करते हैं और शक्ति अर्जित करते हैं। इसी तरह भगवान श्री राम ने भी 9 दिन शक्ति की पूजा उपासना कर दसवीं को रावण का वध किया था। आज हम उसी त्यौहार को मनाते हैं। मैं क्षत्रिय समाज के युवाओं को केवल एक बात कहना चाहता हूं कि पटवारी, क्लर्की या अन्य सरकारी नौकरी करने का अब कोई मतलब नहीं हैए इसकी जगह सरकार द्वारा चलाई जा रही रही योजनाओं का लाभ लेकर लोन लें और अपना बिजनिस शुरू करें।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने निकाला चल समारोह

ग्वालियर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा किलागेट चौराहे से इन्द्रप्रस्थ गार्डन तक चल समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें रैली के रूप में क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी इन्द्रपस्थ गार्डन पहुंचे, जहां कार्यक्रम के दौरान शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान देवेन्द्र प्रताप सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। **E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478**